हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 143, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 नवम्बर, 2021 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

कैराना में सीएम योगी ने 426 करोड़ की 114 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

लाभार्थियों को डेमो चेक, पोषण किट, आवास की चाबी, स्वीकृति पत्र भी किए भेंट

शामली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शामली के कैराना पहुंचे हैं। यहां पर वह पीएसी कैंप, यूपी रोडवेज बस स्टैंड सहित करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी कैराना से पलायन करने के बाद वापस लौटे व्यापारियों से मुलाकात करने पहुंचे। यहां उन्होंने व्यापारियों और उनके परिवार से बात की। सीएम योगी ने एक बच्ची से बात करते हुए कहा, डरना मत... बाबा के बगल में बैठी हो। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारियों से पूछा कि लौटने के बाद अब यहां आपको कोई डर तो नहीं है।

426 करोड़ की 114 परियोजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण- मुख्यमंत्री ने कैराना में जनसभा स्थल के मंच से 426 करोड़ की 114 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने लाभार्थियों को डेमो चेक, पोषण किट, आवास की चाबी, स्वीकृति पत्र भी भेंट किए। जनता को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2017 में भी मैं शामली आया था। तब मैंने कैराना के बारे में कहा था कि यहां सुरक्षा का बेहतर माहौल देंगे और आज हम कैरान को सुरक्षित माहौल देने में सफल हुए हैं। सीएम योगी ने मंच से बोलते हुए कहा कि मुजफ्फरनगर में जब दो निर्दोष नौजवान मारे जाते हैं, तब लोगों को जाति नजर नहीं आ रही थी। वहां जब निर्दोष हिंदुओं के घर जलाए जा रहे थे, तब जातिवाद की राजनीति करने वालों को उनकी जाति नजर नहीं आई थी। उन्होंने कहा कि बाबू हुकुम सिंह अब हमारे बीच नहीं हैं। उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज होते थे और उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अब भी तालिबानी मानसिकता को बढ़ावा देकर खुश होते हैं और उस पर ताली भी बजाते हैं। ऐसे लोगों के इन कृत्यों को यूपी में कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तालिबानी मानसिकता को बढ़ावा देने वालों को मारीच व सुबाहु की तरह ही दुर्गति का शिकार होना पड़ेगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। कहा कि पिछली सरकारों में कोई गरीब बीमार होता था तो इलाज के लिए असहाय हो जाता था। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख तक का स्वास्थ्य बीमा दिया है, ताकि गरीब का इलाज भी संभव हो सके। कहा कि 2017 से पहले शामली के लोग इलाज के लिए दिल्ली जाते थे। लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद अब लोग इलाज के लिए दिल्ली से शामली आने लगे हैं। अब शामली में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की भी योजना है। पलायन के बाद वापस लौटे मित्तल परिवार से मुलाकात के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने इस दौरान कहा कि, 1990 के प्रारंभ में राजनीति के अपराधिकरण का दंश कैराना जैसे कस्बों ने झेला है। यहां पर हिंदू व्यापारियों व अन्य हिंदुओं को प्रताड़ित कर पलायन करने को मजबूर कर दिया गया। वह आगे बोले, 2017 के बाद अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के बाद इस कस्बे में शांति आई। बहुत से परिवार वापस आए। सीएम योगी बोले कि साल 2017 में जब मैं यहां आया था, तो लोगों ने पीएसी के बटालियन और चौकी के मजबूती की लोगों ने मांग की थी। पुलिस चौकी के सुदृढीकरण का काम तो पहले ही हो चुका था और अब मैं पीएसी बटालियन की शुरूआत करने आया हूं। पलायन कर चुके अधिकतर लोग वापस आ चुके हैं और सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि सरकार अपराधियों के खिलाफ जिस नीति से काम कर रही है। आगे भी करेगी। बच्चों और महिलाओं में जो विश्वास दिखा है वह आगे रंग दिखाएगा। कहा कि यहां पर जाम की जो शिकायत रहती थी उसे हमने दूर किया है। अब यहां व्यापार बढ़ना प्रारंभ हुआ है। पीएम मोदी का सबका साथ सबका विकास का मंत्र रहा है, जो हम आगे लेकर जाएंगे। लेकिन बिना तुष्टीकरण की नीति के हम विकास करेंगे। मैं कस्बे के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि उन्हें पूरी सुरक्षा मिलेगी। यहां के व्यापारिक और औद्योगिक माहौल को और आगे बढ़ाया जाएगा। पिछली सपा सरकार में जिन परिवारों पर अत्याचार हुआ था जिनके परिवार के लोगों की हत्या हुई थी उन्हें मुआवजा दिया जाएगा और उन मामलों की रिपोर्ट भी मांगी गई है।

बीएसएफ दायरा बढ़ाने के मुद्दे में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का पंजाब सरकार पर निशाना

चंडीगढ़। पंजाब के श्री आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने राज्य की चरणजीत सिंह सरकार पर निशाना साधा है। मनीष तिवारी ने केंद्र सरकार द्वारा सीमा क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल का दायरा बढ़ाने को मामले में चन्नी सरकार पर सवाल उठाया है। मनीष तिवारी ने कहा है कि पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के इस कदम को सुप्रीम कोर्ट में अब तक चुनौती क्यों नहीं दी है। बता दें कि पंजाब में इस मामले पर खूब सियासत गर्माई हुई है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सोमवार सुबह एक ट्वीट कर बार्डर एरिया में बीएसएफ की जांच का दायरा बढ़ाए जाने के मामले में पंजाब सरकार के रुख पर सवाल उठाया। मनीष तिवारी ने ट्वीट में लिखा है कि बीएसएफ का दायरा 50 किलोमीटर तक बढ़ाए जाने को करीब एक माह हो गया है और अब केंद्र सरकार ने इस बारे में अधिसूचना भी जारी कर दी है। ऐसे में पंजाब सरकार द्वारा अब तक केंद्र सरकार के नोटिफिकेशन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती क्यों नहीं दी है। सांसद मनीष तिवारी ने इसके साथ ही पंजाब की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार पर सवाल भी उठाया है। उन्होंने पूछा है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत भारत के सर्वोच्च न्यायलय में इस अधिसूचना को चुनौती देना महज सांकेतिक है। इस तरह पूरे मामले में मनीष तिवारी ने बीएसएफ का बार्डर एरिया में दायरा बढ़ाने को लेकर चरणजीत सिंह चन्नी सरकार के विरोध पर सवाल उठा दिया है।

जवान ने की 4 साथियों की हत्या : सीआरपीएफ ने कहा- गोलीबारी करने वाला सैनिक डिप्रेशन में था

रायपुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कहा कि अपने चार सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या करने और तीन अन्य को घायल करने वाला जवान डिप्रेशन में था, जिस वजह से अचानक उसने मनोवैज्ञानिक असंतुलन खो दिया। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के बस्तर क्षेत्र में सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के एक शिविर में जवान रितेश रंजन ने अपने साथियों पर एके-47 राइफल से गोली चला दी थी, जिससे चार जवानों की मौत हो गई है जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों और जवानों ने आरोपी जवान को किसी तरह काबू में किया।

सीआरपीएफ के एक प्रवक्ता ने कहा, ह्यस्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीआरपीएफ ने घटना के कारण का पता लगाने और उपचारात्मक उपाय के सुझाव देने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया, ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भावानात्मक तनाव के कारण कॉन्स्टेबल रितेश रंजन ने अचानक मनोवैज्ञानिक असंतुलन खो दिया और गुस्से में आकर अपने कर्मियों पर गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया किसीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी), 50वीं बटालियन (जहां गोलीबारी हुई) के कमांडेंट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटना स्थल पर मौजूद हैं। प्रवक्ता ने बताया कि सभी घायलों को आवश्यक उपचार मुहैया करा दिया गया है। जिन घायलों को अतिरिक्त इलाज की आवश्यकता है उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की जा रही है।

कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश- वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आरोपी जवान को सुबह चार बजे संतरी पोस्ट पर ड्यूटी पर जाना था, लेकिन तैयार होने के तुरंत बाद ही उसने अपने साथी कर्मियों पर गोलियां चला दी, जो सो रहे थे। यह जानकारी शिविर में मौजूद अन्य जवानों ने दी है। घटना के बारे में अधिक जानकारी और पिछले कुछ दिनों की घटनाओं का पता सीआरपीएफ द्वारा शुरू की गई कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) के तहत लगाया जा रहा है।

नक्सल विरोधी अभियानों के लिए राज्य में 25 से अधिक बटालियन तैनात करने वाले अर्धसैनिक बल ने हाल ही में अपनी सभी टुकड़ियों को एक पत्र भेजकर उन कर्मियों की पहचान करने को कहा था, जो अवसाद या तनाव में हैं और उन्हें आत्महत्या करने से रोकने तथा किसी साथी पर हमला करने से रोकने के लिए, उन्हें उचित परामर्श देने को कहा था। सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऐसे कर्मियों की हथियार तक आसान पहुंच सुरक्षा बल के लिए एक बड़ी चुनौती है, जो या तो आत्महत्या कर लेते हैं या अपने सहकर्मियों पर हमला कर देते हैं।

एससी बोला- अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो रही जांच स्टेटस रिपोर्ट में सिर्फ गवाहों से बातचीत ही क्यों?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में हुई हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई की। चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले

की सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट पर एक बार फिर से नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा है कि हमने 10 दिन का समय दिया था। इसके बाद भी स्टेटस रिपोर्ट में कुछ भी नही हैं। सिवाय इतना कहने के कि गवाहों से पूछताछ की गई है। कोर्ट ने कहा कि हिंसा के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन सिर्फ आशीष मिश्रा का ही फोन जब्त किया गया है। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि अन्य आरोपियों ने बताया कि वह फोन नहीं रखते हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि आपने स्टेटस रिपोर्ट में यह कहां लिखा है? कोर्ट ने लखीमपुर मामले में लैब रिपोर्ट भी पेश नहीं करने पर नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार से सवाल किया। इस पर सरकार ने कहा कि लैब की रिपोर्ट 15 नंवबर को आएगी, जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई शुक्रवार को करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा है कि प्रदेश सरकार शुक्रवार तक अपना रुख साफ करे। सुप्रीम कोर्ट लखीमपुर हिंसा की जांच से खुश नहीं है। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि हमारी अपेक्षा के अनुरूप जांच नहीं की जा रही है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि पूरे मामले की जांच हाईकोर्ट के पूर्व जजों की निगरानी में कराई जाए। इसके लिए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व जज रंजीत सिंह और राकेश कुमार जैन की नियुक्ति की जा सकती है।

एटीएस का दावा: अलकायदा से जुड़ रहे अवैध धर्मांतरण के तार, उमर और कलीम के खाते में आए 79 करोड़ रुपये

लखनऊ। एटीएस का दावा है कि अवैध धर्मांतरण के तार पाकिस्तानी आतंकी संगठन अल कायदा से जुड़ रहे हैं। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने दावा किया है कि इस मामले में पूर्व में महाराष्ट्र से गिरफ्तार एडम और कौसर आलम के पास से जो साक्ष्य मिले हैं, उससे पता चला है कि दोनों जिहाद की हिंसात्मक विचारधारा से प्रभावित व पोषित हैं। इसके अलावा कई ऐसे धार्मिक साहित्य जिनका संबंध अल कायदा जैसे आतंकी समूह से रहा है, उनसे भी दोनों का प्रभावित होना पाया गया है। एडीजी ने बताया कि जून में धर्मांतरण के बड़े सिंडिकेट का खुलासा हुआ था। मुख्य सरगना मौलाना उमर गौतम और कलीम सिद्दीकी समेत 16 आरोपियों को अलग अलग दिनों में अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया जा चुका है। उमर का बेटा अब्दुल्ला इस सिंडिकेट में शामिल जहांगीर आलम, कौसर व फराज शाह से सीधे व सक्रिय रूप से संपर्क में रहा है। एडीजी ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार उमर गौतम और कलीम सिद्दीकी के खातों में 79 करोड़ रुपये की फंडिंग के साक्ष्य मिले हैं। इसमें उमर गौतम के खातों से 57 करोड़ और कलीम के

खातों से 22 करोड़ रुपये मिले हैं। उमर और कलीम दोनों को ही लगभग एक जैसे संगठनों से ही फंडिंग हुई है। इनके और इनकी संस्थाओं के खातों में ब्रिटेन, अमेरिका व अन्य खाड़ी देशों से भी भारी मात्रा में हवाला व अन्य माध्यमो से पैसों के आने का प्रमाण मिला है।

बिहार: जहरीली शराब से 6 दिन में 40 मौतें, नीतीश कुमार ने 16 नवंबर को बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

पटना। बिहार में शराबबंदी के बावजूद सिर्फ छह दिन के अंदर जहरीली शराब पीने से हुईं 40 मौतों ने नीतीश सरकार को हिला कर रख दिया है। मौतों के आंकड़ों को देखते हुए खुद सीएम नीतीश कुमार एक्शन में आ गए हैं। इसके बाद उन्होंने 16 नवंबर को बिहार में शराबबंदी पर उच्चस्तरीय बैठक बुला ली है। बिहार में पहले से ही शराब की बिक्री और उत्पादन पर प्रतिबंध है। ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार शराब माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई का ऐलान कर सकते हैं। बिहार में जहरीली शराब पीने से हुई मौतें अचानक से सामने आईं। दीपावली के एक दिन पहले ही यहां कुछ लोगों की मौत हुई, इसके बाद से सिवान, गोपालगंज, बेतिया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर जैसे जिलों से मौत की खबरें सामने आने लगीं। आंकड़ों को देखा जाए तो महज छह दिन के अंदर ही राज्य में जहरीली शराब से 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि अगर कहीं भी कोई बीमार है तो उसकी सूचना पुलिस को दी जाए।

एक्शन में पुलिस- शराबबंदी के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में जहरीली शराब का कारोबार सामने आने के बाद पुलिस भी एक्शन में आ गई है। मौतों के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई जगहों पर छापेमारी की है। इस छापेमारी में पुलिस ने अलग-अलग जगहों से करीब 280 लीटर देसी शराब बदामद की है। इस क्रम में तीन शराब कारोबारियों को गिरफ्तार भी किया गया है।

मणिपुर : दो विधायकों ने थामा भाजपा का दामन विधानसभा चुनाव से पहले और कमजोर हुई कांग्रेस

इंफाल। मणिपुर में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी से नाता रखने वाले दो विधायक राजकुमार इमो सिंह और यान्थोंग हौकीप सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सवानंद सोनोवाल और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दोनों विधायकों को प्राथमिक सदस्यता दिलाई। आरके सिंह और हौकीप क्रमशः साल 2012 और 2017 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे। हालांकि, राजकुमार को कांग्रेस ने कुछ समय पहले ही पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बाहर का रास्ता दिखा दिया था। राजकुमार ने भाजपा में शामिल होने के साथ कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में शांति, स्थायित्व के लिए काफी काम किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि 2017 तक मणिपुर अपनी कानून व्यवस्था की समस्याओं के लिए जाना जाता था। राज्य में

पहाड़ी और घाटी क्षेत्र के बीच बंटवारा था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आरके सिंह के पिता राजकुमार जयचंद्र सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री और राज्य से पहले केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। इन दोनों विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने दोनों कांग्रेस विधायकों का स्वागत किया। पात्रा ने कहा कि इनके आने से मणिपुर और पूर्वोत्तर में भाजपा को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने भाजपा की नीति और रीति और प्रधानमंत्री मोदी से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। गौरतलब है कि मणिपुर में 2017 में पहली बार भाजपा सत्ता में आई है।

विदेशों से सामान खरीदने पर चीनी शहरों ने लगाई पाबंदी, कोरोना के डर से कोरियर सेवाएं भी रोकीं

बीजिंग/नई दिल्ली। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के सीमावर्ती शहर हीहे में काउंटियों और जिलों ने कहा है कि उन्होंने विदेशों से सामान खरीदने को पूरी तरह से निलंबित कर दिया है। ये फैसला उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के एरेनहोट शहर के निवासियों द्वारा मंगोलिया से खरीदे गए सामान में संपर्क के आने के बाद कोरोना पाजिटिव होने के बाद लिया गया है। एरेनहॉट के पांच निवासियों ने हाल ही में शहर की महामारी की रोकथाम और नियंत्रण कार्य दल को सूचना दी थी कि उन्होंने मंगोलिया से खरीदे गए सामान को प्राप्त किया था जो टेस्ट में कोविड -19 पाजिटिव पाया गया था।

यह 11 नवंबर को वार्षिक खरीदारी की होड़ के रूप में आता है। अन्य स्थानों ने तब से विदेशों से खरीदे गए सामानों पर अपना नियंत्रण कड़ा कर लिया है। एजेंसी के अनुसार, रसद और कोरियर कंपनियों को आदेश दिया जाता है कि वे विदेश से पहले से प्राप्त माल को सील कर विशेष रूप से निर्दिष्ट क्षेत्र में रखें, जिसके बाद वे स्थानीय महामारी रोकथाम और नियंत्रण अधिकारियों को रिपोर्ट करें। आदेश का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा यदि वे कोरोनावायरस प्रसार के लिए जिम्मेदार हैं। ऐहुई जिले में कोरोना वायरस के एक स्थानीय मामले के साथ-साथ तीन मामलों की रिपोर्ट के बाद हीहे ने 28 अक्टूबर को एक सख्त लाकडाउन लगा दिया था। स्पुतनिक ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने आबादी की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण स्थापित किया है। अब तक इस शहर में कोरोना वायरस के 200 मामले सामने आ चुके हैं। चीन में कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। महामारी ने अबतक 20 प्रांतों के 44 शहरों में पांव पसार लिया है। देश में 918 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग का दावा है कि चीन में बाहर से आने वाले मामले दबाव पैदा कर रहे हैं। देश में शनिवार को 74 नए मामले सामने आए। उधर, दुनियाभर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 24.95 करोड़ को पार कर चुका है। कोविड की वजह से 50.4 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

पूर्व रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस समेत इन हस्तियों को मिला पद्म विभूषण, पहली महिला एयर मार्शल को पद्म श्री

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने सोमवार को विभिन्न राज्यों के पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। खेल जगत से बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को पद्म भूषण व फिल्म जगत में एक्टर कंगना रनोट और गायक अदनान सामी को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। इनके अलावा बांग्लादेश की दो शख्सियतों को भी सम्मानित किया गया है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पूर्व रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अरुण जेटली की पत्नी संगीता जेटली और सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अवार्ड सौंपा। खेल जगत से बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधू को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हाकी खिलाड़ी रानी रामपाल को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया। बालीवुड एक्टर कंगना रनोट और सिंगर अदनान सामी को 2020 के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अलावा प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। एयर मार्शल डा पदमा बंदोपाध्याय (सेवानिवृत्त) को आज चिकित्सा के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला। वह भारत की पहली महिला एयर मार्शल हैं। उनके अलावा आइसीएमआर के पूर्व प्रमुख साइंटिस्ट डाक्टर रमन गंगाखेडकर को भी पद्म श्री से सम्मानित किया गया। बांग्लादेश की दो शख्सियतों को पद्म पुरस्कार दिए गए हैं। पहली बार बांग्लादेश के लोगों को पद्म पुरस्कार दिए गए हैं। इनमें भारत में पूर्व उच्चायुक्त मुअज्जम अली और 1971 युद्ध के नायक कर्नल काजी सज्जाद अली जहीर शामिल हैं। दोनों को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्मश्री से सम्मानित किया गया है, इस पुरस्कार को पाने वाले यह पहले बांग्लादेशी नागरिक हैं।

चिंतन मनन

प्रदूषण चरम पर

दीपावाली से पहले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के जितने दावे किए गए थे, सब धराशायी हो गए। पटाखों के धुओं से न सिर्फ दिल्ली बल्कि कई शहरों में प्रदूषण का ग्राफ बढ़ गया है। सवाल यह है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के दावों में हकीकत कहां खो गई है। सर्दी का मौसम शुरू होते ही दिवाली के आसपास दिल्ली और इसके सटे इलाकों की हवा में प्रदूषण बढ़ना शुरू हो जाता है। हालांकि इसे रोकने के लिए दिल्ली सरकार काफी हाथ-पांव मारती देखी जाती है, पर उसे सफलता मिलती नजर नहीं आती। अक्सर इस मौसम में प्रदूषण बढ़ने की बड़ी वजह किसानों के पराली जलाने, पटाखे फोड़ने और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली गर्द को बताया जाता रहा है। मगर इस साल इन सभी पहलुओं पर सरकार पहले से सतर्कता बरत रही थी। निर्माण कार्यों से उड़ने वाली गर्द पर अंकुश लगाने के लिए पूरी दिल्ली में जांच दल गठित कर दिए गए थे। किसानों को पराली न जलानी पड़े, इसके लिए दिल्ली सरकार ने विशेष रूप से तैयार जैव रसायन का मुफ्त वितरण शुरू किया था, जिससे पराली आसानी से खेतों में ही गल-पच जाती है। पटाखों पर अदालत की तरफ से रोक है। यों भी दिवाली से पहले इतने पटाखे नहीं फोड़े जाते कि उनसे निकलने वाला धुआं सारे वातावरण को दमघोटू बना दे। मगर इतने एहतियात के बावजूद स्थिति यह है कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर खतरे के बिंदु तक पहुंच गया। मंगलवार को दर्ज आंकड़ों में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर देश के प्रमुख शाहरों में सबसे ऊपर था। तीन सौ नौ अंक। आने वाले दिनों में इस स्तर में और बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। जब मौसम सर्द होने लगता है, तो हवा पृथ्वी की सतह के आसपास सिमटने लगती है, फिर उसमें घुले प्रदूषक वातावरण को दमघोटू बना देते हैं। पिछले कुछ सालों में तो ऐसा अनुभव रहा कि बच्चों के स्कूल बंद करने पड़े, लोगों को सुबह टहलने निकलने से परहेज करने की सलाह दी गई। दमकल की गाडियों से पेड़ों पर पानी की बौछार मार कर प्रदूषक तत्त्वों को कम करने का प्रयास किया गया। बहुत सारे लोगों ने अपने घरों में वायु प्रदूषण अवशोषक संयंत्र भी रख लिए। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने एक जगह वायु प्रदूषण सोखने वाला विशाल संयंत्र भी लगाया है, जिसके नतीजे उत्साहजनक हैं। ऐसे संयंत्र अन्य स्थानों पर भी लगाने की उसकी योजना है। मगर अब यह साफ हो गया है कि तमाम उपायों के बावजूद अगर वायु प्रदूषण पर काबू पाना चुनौती बना हुआ है, तो इसकी वजहें दूसरी हैं। वायु प्रदूषण का बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। इसे कम करने के भी कई उपाय सरकार आजमा चुकी है, पर उस पर काबू नहीं पाया जा पा रहा। हालांकि वाहनों पहले से ही ऐसे यंत्र लगाया जाने लगे हैं, जो धुएं को पानी में बदल देते हैं, उसे हवा में घुलने नहीं देते। बसों में सीएनजी इस्तेमाल होने लगी है। अब बैट्री चालित टैक्सियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मगर दुपहिया वाहनों से निकलने वाले धुएं पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण दुपहिया वाहनों की वजह से फैलता है। दिवाली नजदीक होने की वजह से आनलाइन खरीदारी पर जोर रहा। ऐसी वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले ज्यादातर दुपहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। दिल्ली की सड़कों पर दुपहिया वाहनों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, इसलिए इनसे निकलने वाला धुआं चुनौती बना हुआ है। फिर चोरी-छिपे बहुत सारे धुआं उगलने वाले छोटे और मंझोले उद्योग-धंधे भी दिल्ली के अंदर चल रहे हैं। इस दिशा में जब तक कोई व्यावहारिक उपाय नहीं निकाला जाएगा, तब तक इस समस्या पर काबू पाना कठिन बना रहेगा।

बढ़ा अचानक ग्राफ!

बच्चों के कुपोषण का ।
बढ़ा अचानक ग्राफ ।।
इस समय क्या स्थिति ।
हो रहा अब साफ ।।
होगा रखना ध्यान इधर ।
शुभ नहीं संकेत ।।
डवाडोल है मामला ।
कब होंगे सचेत ?
खबर नहीं है अच्छी ।
होगा करना काम ।।
दूर करनी होगी ।
बाधाएं तमाम ।।
देश के भविष्य जो ।
करें कदमताल ।।
तंदुरुस्ती आ जाए ।
उठे ना सवाल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सूर्योपासना का पर्व–छठपूजा

छठ पर्व मूलतः सूर्य की आराधना का पर्व है, जिसे हिन्दू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। हिन्दू धर्म के देवताओं में सूर्य ऐसे देवता हैं जिन्हें मूर्त रूप में देखा जा सकता है।सूर्य की शक्तियों का मुख्य श्रोत उनकी पत्नी ऊषा और प्रत्यूषा हैं। छठ में सूर्य के साथ-साथ दोनों शक्तियों की संयुक्त आराधना होती है। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (ऊषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों का नमन किया जाता है।

भारत में सूयोर्पासना ऋगवेद काल से होती आ रही है। सूर्य और इसकी उपासना की चर्चा विष्णु पुराण, भगवत पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण आदि में विस्तार से की गयी है। मध्य काल तक छठ सूयोर्पासना के व्यवस्थित पर्व के रूप में प्रतिष्ठित हो गया, जो अभी तक चला आ रहा है।सृष्टि और पालन शक्ति के कारण सूर्य की उपासना सभ्यता के विकास के साथ विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग रूप में प्रारम्भ हो गयी, लेकिन देवता के रूप में सूर्य की वन्दना का उल्लेख पहली बार ऋगवेद में मिलता है। इसके बाद अन्य सभी वेदों के साथ ही उपनिषद् आदि वैदिक ग्रन्थों में इसकी चर्चा प्रमुखता से हुई है। उत्तर वैदिक काल के अन्तिम कालखण्ड में सूर्य के मानवीय रूप की कल्पना होने लगी। इसने कालान्तर में सूर्य की मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। पौराणिक काल आते-आते सूर्य पूजा का प्रचलन और अधिक हो गया। अनेक स्थानों पर सूर्यदेव के मंदिर भी बनाये गये।

पौराणिक काल में सूर्य को आरोग्य देवता भी माना जाने लगा था। सूर्य की किरणों में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पायी गयी। ऋषि-मुनियों ने अपने अनुसन्धान के क्रम में किसी खास दिन इसका प्रभाव विशेष पाया। सम्भवतः यही छठ पर्व के उद्भव की बेला रही हो। भगवान कृष्ण के पौत्र शाम्ब को कुष्ठ रोग हो गया था। इस रोग से मुक्ति के लिए विशेष सूयोर्पासना की गयी, जिसके लिए शाक्य द्वीप से ब्राह्मणों को बुलाया गया था।छठ पूजा की परम्परा और उसके महत्त्व का प्रतिपादन करने वाली अनेक पौराणिक और लोक कथाएँ प्रचलित हैं।

एक मान्यता के अनुसार लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की। सप्तमी को सूर्योदय के समय पुनः अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था।एक अन्य मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरूआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यदेव की पूजा शुरू की। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वह प्रतिदिन घण्टों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही पद्धति प्रचलित है।

कुछ कथाओं में पांडवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा भी सूर्य की पूजा करने का उल्लेख है। वे अपने परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लम्बी उम्र के लिए नियमित सूर्य पूजा करती थीं।एक कथा के अनुसार राजा प्रियवद को कोई संतान नहीं थी, तब महर्षि कश्यप ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराकर उनकी पत्नी मालिनी को यज्ञाहुति के लिए बनायी गयी खीर दी। इसके प्रभाव से उन्हें पुत्र हुआ परन्तु वह मृत पैदा हुआ। प्रियवद पुत्र को लेकर श्मशान गये और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त ब्रह्माजी की मानस कन्या देवसेना प्रकट हुई और कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूँ। हे! राजन् आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी पूजा के प्रति प्रेरित करें। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी। छठ पूजा का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष इसकी सादगी पवित्रता और लोकपक्ष है। भक्ति और आध्यात्म से परिपूर्ण इस पर्व में बाँस निर्मित सूप, टोकरी, मिट्टी के बर्त्तनों, गन्ने का रस, गुड़, चावल और गेहूँ से निर्मित प्रसाद और सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर लोक जीवन की भरपूर मिठास का प्रसार करता है। वास्तव में, छठपूजा का पर्व अत्यंत मंगलमयी,शुभ व लोक कल्याणकारी माना जाता है।इसे छठ पूजा या छठ मैया की पूजा कहकर भी सम्मानित किया जाता है।इस पर्व की श्रेष्ठता व लोकप्रियता सर्वसिद्ध है।

धार्मिक आस्था के ये दुश्मन

इस्लाम धर्म में 'नमाज' उस इबादत का नाम है जिसे प्रत्येक व्यस्क मुसलमान के लिये अनिवार्य माना गया है।नमाज के लिये पांच वक़्त विशेषकर निर्धारित किये गये हैं। पहली नमाज सूर्योदय से पूर्व पढ़ी जाती है जिसे फजिर की नमाज कहते हैं। दूसरी अपराह्न में पढ़ी जाने वाली जोहर की नमाज कहलाती है इसके कुछ ही देर बाद सायंकाल से पूर्व अस्त्र की नमाज फिर सूर्यास्त के समय मगरिब और सूर्यास्त के कुछ देर बाद ईशां की नमाज अदा करने का समय होता है। इसमें शुक्रवार को जोहर के वक़्त पढ़ी जाने वाली साप्ताहिक नमाज की विशेष अहमियत होने के चलते प्रायः शुक्रवार की जोहर की नमाज में तुलनात्मक दृष्टि से ज्यादा नमाजी इकट्ठे होते हैं। आम तौर से जुमे की नमाज या ईद व बकरीद जैसी वार्षिक नमाजों के वक़्त नमाज अदा करने वालों की तादाद इतनी हो जाती है कि मस्जिद परिसर में वह नहीं समा पाती लिहाजा मस्जिदों या ईदगाहों के बाहर इन नमाजियों को अपने मुसल्ले बिछाने पड़ते हैं। फिर चाहे वह सड़क हो पार्क हो,कोई गली कूचा या सरकारी अथवा किसी का निजी प्लॉट।

भारत के धर्म प्रधान देश होने के नाते यहां सिर्फ मुसलमान ही अपनी धार्मिक आस्था का अनुसरण इस प्रकार यहाँ वहां नमाज पढ़कर नहीं करते बल्कि लगभग सभी धर्मों व जातियों के लोग अपनी अपनी धार्मिक आस्थाओं का प्रदर्शन किसी न किसी जुलूस,यात्रा,प्रवचन,नगर कीर्तन,जगराता,कांवड़ यात्रा,रामलीला,दशहरा,जगन्नाथ यात्रा,गणेश चतुर्थी,जुलूस-ए-मुहर्रम,माघ,कुंभ व अर्ध कुंभ,गरबा,डांडिया,छठ तथा अन्य मेलों के रूप में करते रहते हैं। देश में किसी भी धर्म जाति के लोगों को किसी भी धर्म जाति के लोगों की धार्मिक आस्था संबंधी किसी भी गतिविधि को लेकर आज तक कोई आपत्ति,विरोध या टकराव सुनने को नहीं मिला। बल्कि एक दूसरे के धार्मिक आयोजनों में शरीक होने व उसमें एक दूसरे के सहयोगी व भागीदार बनने की खबरें जरूर आती रही हैं। परन्तु विगत कुछ वर्षों से कुछ दक्षिणपंथी हिंदुत्ववादी विचारधारा के चंद मुट्ठी भर लोग अलग अलग संगठनों के बैनर तले सत्ता की शह पर कभी खुले आसमान के नीचे या पार्क अथवा प्लाट में नमाज पढ़ने वालों का विरोध करते दिखाई दे जाते हैं तो कभी किसी की लाश कब्र में दफ़न किये जाने का विरोध करने के लिये सड़कों पर उतर आते हैं।

नमाज पढ़ने का विरोध करने वाली ताजातरीन खबरें चूँकि देश के एक शांतिप्रिय राज्य हरियाणा के महानगर गुरु ग्राम से जुड़ी हैं इसलिये इसी राज्य की कुछ सद्भावपूर्ण मिसालें पेश करना भी जरूरी हैं । यमुनानगर से खिजराबाद होते हुए हिमाचल प्रदेश की ओर जाते हुए रास्ते में

हरियाणा -हिमाचल सीमा पर स्थित है 'कलेश्वर महादेव मठ'। यह संत महानंदपुरी नाम के एक शिक्षित महंत रहा करते थे। उनके सहपाठी रहे हाफिज मोहम्मद साहब अपनी आयु के अंतिम समय तक इसी मठ में उनके साथ रहा करते थे। भगवे वस्त्र में हाफिज साहब इसी मंदिर में आरती भी करते,प्रशाद भी बांटते और श्रद्धालुओं के मस्तक पर टीका भी लगाते। मंदिर परिसर में हाफिज साहब का एक निजी कमरा भी था जिसमें बैठकर वे इसी भगवे लिबास में नमाज भी पढ़ते,रोजा भी रखते और कुरान शरीफ भी पढ़ते। एक बार मुझे हाफिज साहब ने बताया कि कुछ कट्टरपंथियों ने महानंदपुरी जी से इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी कि एक मुसलमान व्यक्ति मंदिर परिसर में आरती पूजा,प्रशाद वितरण नमाज कुरान आदि क्यों करता है। परन्तु दबंग स्वभाव के महानंदपुरी जी ने साफ कह दिया कि जिसे मंदिर में आना हो आये और जिसे इस सर्वधर्म संभाव व्यवस्था से आपत्ति हो वह चाहे तो इस मंदिर में न आये परन्तु यहाँ की व्यवस्था ऐसे ही रहेगी। और इन दोनों ही 'महापुरुषों ' के जीवन के अंत तक यह व्यवस्था वैसे ही चली। जब मैं हाफिज साहब से उनकी नमाज -कुरान-और मंदिर व आरती में सामंजस्य बिठाने को लेकर रूढ़िवादी मुसलमानों के विचार जानने की कोशिश की तो उन्होंने एक शेर पढ़कर इसका जवाब कुछ यूँ दिया - जाहिद-ए-तंग-नजर ने मुझे काफिर जाना। और काफिर ये समझता है मुसलमान हूँ मैं।।

इसी तरह एक बार मैं किसी कार्य वश हिमाचल प्रदेश के नाहन जा रहा था। नाहन से लगभग 5-6 किलोमीटर पूर्व मेरी नजर एक मंदिर के बाहर थाली लेकर खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी जोकि प्रशाद बाँटने के लिये मुख्य मार्ग पर खड़ा था। उसकी 'पहचान कपड़ों से'की जा सकती थी कि वह एक मुसलमान है। मैं रुका उससे प्रशाद लिया और मंदिर के अंदर बैठे पुजारी से मिला। उसने बताया कि वह मुसलमान व्यक्ति उसका दोस्त है। यहीं रहता है और यहीं नमाज कुरान आदि भी पढ़ता है और मंदिर की सभी गतिविधियों में सहयोग करता है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जिसमें न मुसलमान को मंदिर में नमाज व कुरआन पढ़ने में आपत्ति है न ही पुजारी या महंत को उसके पढ़ने से। मुंबई के गणेश चतुर्थी के पंडाल में आयोजकों ने तब मुसलमानों को नमाज अदा करने दी जब बारिश के चलते उन्हें नमाज पढ़ने में दिक़्क़त आ रही थी। चेन्नई में कई वर्ष पूर्व आई भयंकर बाढ़ में मुसलमानों ने मस्जिद के दरवाजे सभी के लिये खोल दिये थे। सैकड़ों लोग उसी मस्जिद में बना खा रहे थे और अपनी आस्थानुसार पूजा पाठ कर रहे थे। मैंने अपने बचपन से खास तौर पर गैर मुस्लिमों को बड़ी संख्या में मस्जिदों के बाहर अपने बीमार बच्चों या अन्य मरीजों को लेकर खड़े देखा है ताकि वे नमाज पढ़कर बाहर निकलने वाले नमाजी व्यक्ति से बीमार व्यक्ति पर फूँक मरवा सकें। उनकी मान्यता है कि नमाजी के फूँक मारने से शिफा मिलती है। आज देश में फकीरों की सैकड़ों मजारें हैं जिनकी देखभाल पूरी तरह से हिन्दू भक्तों द्वारा की जाती है।2016 में पंजाब के जगराओं जिले के एक सिख बाहुल्य गांव के लोगों ने गांव की लगभग एक सदी पुराने मस्जिद के पुनर्निर्माण में गांव में रहने वाले एकमात्र मुस्लिम परिवार की बढ़-चढ़कर मदद की तथा मस्जिद का पुनर्निर्माण कराया। सिख ग्रामीणों ने आर्थिक सहायता के अतिरिक्त मस्जिद के निर्माण में भी सहयोग किया।ऐसी सैकड़ों मिसालें हैं जो यह साबित करती हैं कि हमारे देश की गंगा यमुनी तहजीब में संयुक्त रूप से त्यौहार मनाने की प्राचीन परंपरा रही है जिसे धार्मिक आस्था के ये मुट्ठी भर दुश्मन समाप्त करने पर आमादा हैं।

....21 वर्षों में भी बालिग नहीं हुआ उत्तराखंड!

उत्तराखंड बने 21 वर्ष हो गए लेकिन जिस उत्तराखंड राज्य की परिकल्पना उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारियो ने की थी ,वह परिकल्पना आज तक भी साकार नही हो पाई है।विकास और उपलब्धियों की दृष्टि से उत्तराखंड आज तक भी बालिग नही हो पाया है।अलबत्ता उत्तराखंड की प्राकृतिक धरोहर को लूटने और उत्तराखंड की संस्कृति को तहस नहस करने के लिए राजनीतिक पार्टियां राज्य में सक्रिय है। 21 वर्ष पहले न जाने कितने बलिदान और कड़े संघर्ष के बाद नए राज्य बनाने का सपना साकार हुआ था। पहले उत्तरांचल और फिर उत्तराखंड के रूप में प्रतिष्ठित इस राज्य को को जन्म देने की लड़ाई लड़ने वाले आज भी अपने चिन्हीकरण को लेकर सड़को पर है।उन्हें आज भी अपना वजूद बचाने के व उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी का सम्मान पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

आज उत्तराखंड देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसमें एक ही कार्यकाल में तीन तीन मुख्यमंत्री बदले गए हो और जहां के मुख्यमंत्री के विरुद्ध उच्च न्यायालय को कथित भ्ष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने के आदेश तक देने पड़े हो। केंद्र व राज्य दोनों ही सरकारों ने उत्तराखंड की जनता को बुरी तरह से निराश किया है।उत्तराखंड के आंदोलनकारियो व उत्तराखंड की जनता के सपनो का राज्य 21 वर्ष बीतने पर भी आज तक इसलिए नही बन पाया है,क्योंकि राज्य में राजनीतिक इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही है।जो काम करना चाहते है,उन्हें दलबदल के जरिए अस्थिर करने की घिनौनी राजनीति का अड्डा उत्तराखंड बनकर रह गया है। पहाड़ में रोजगार न होने के कारण युवाओं का पलायन ,प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की कोई ठोस व्यवस्था का न होना,स्वास्थ्य सेवाओ का बेहद लचर हो जाना,कोरोनाकाल में पीड़ितों तक राहत न पहुंचना सरकार की विफलता का प्रमाण है।उत्तराखण्ड बने 21 साल पूरे हो चुके है और बाईसवां साल शुरू हो चुका है ,लेकिन उत्तराखण्ड के लोगो के सपने का उत्तराखण्ड बनना तो दूर ,राज्य के लोगो की की मूल भूत समस्याएं आज तक हल नही हो पाई है।जल,जंगल,जमीन पर अपना हक पाने के लिए उत्तराखण्ड के लोग पहले भी संघर्ष कर रहे थे,आज भी संघर्ष कर रहे है।लेकिन उनकी सुनवाई न पहले हो पाई और न ही आज तक हो पाई है।राज्य निर्माण में पर्वतीय मूल की महिलाये अग्रणी रही,राज्य की मांग को लेकर उन्होंने लम्बी लड़ाई लडी।अनेक आंदोलनकारियों को इसके लिए संघर्ष करते हुए पुलिस की गोलिया खाकर शहादत देनी पड़ी थीं।कई महिलाओ को अपनी आबरू तक गंवानी पड़ी।तब जाकर लम्बे आंदोलन के बाद 9 नवम्बर सन 2000 को उत्तरांचल यानि उत्तराखंड राज्य का जन्म हुआ था,जो अब बेहद लचर व कमजोर राज्य के रूप मे हमारे सामने है। राज्य बनने के बाद से 21 साल बीतने पर भी जल,जंगल,जमीन पर स्थानीय लोगो का हक न मिल पाना निराशा पैदा करता है।उत्तराखंड राज्य बनने से पहले अविभाजित उत्तर प्रदेश मे यहां के पर्वतीय क्षेत्र के विकास के लिए अलग से एक मंत्रालय हुआ करता था,जिसके माध्यम से आर्थिक विकास पैकेज मिलता था।लेकिन राज्य बनने के बाद हम पहाड़ व मैदान के सरोकार ही भूल गए है।जल,जंगल और जमीन के हक की लड़ाई लड़ रहे जननेता किशोर उपाध्याय जो टिहरी से विधायक रहे और नारायण दत्त तिवारी सरकार के मन्त्रीमण्डल मे मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके है, के द्वारा बार बार जनसरोकारों की मांग उठाने के बावजूद आज तक कुछ नही हो सका है। जिस कारण वे नाराज भी है।किशोर उपाध्याय ने इस ज्वलंत मुद्दे पर सर्वदलीय सम्मेलन तक बुला चुके है। जिसमे पर्वतीय क्षेत्र को वन प्रदेश घोषित कर यहां के निवासियो को वनवासी का दर्जा देने,पर्वतीय क्षेत्र मे उगने वाली जड़ी बूटियों पर स्थानीय लोगो का हक घोषित करने,राज्य के वन व प्राकृतिक संसाधनों पर यहां के लोगो के हक की रक्षा करने व उन्हें पोषित करने ,राज्य के लोगो को वनवासी का दर्जा देकर केंद्र मे उन्हें नोकरियो मे आरक्षण देने,वनाधिकार अधिनियम 2006 तथा जैव विविधता अधिनियम 2002 के प्रावधान राज्य मे लागू करने की मांग वे कर चुके है।जिसके लिए किशोर उपाध्याय नेताप्रतिपक्ष प्रीतम सिंह और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश रावत से इन मुद्दों पर समर्थन मांग चुके है।उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से भी इस मुद्दे पर समर्थन मांगा है।इन मुद्दे को सरकार से जुड़े लोगो के सामने भी ले जाया गया है।चाहे केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट हो या भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ,सभी ने इन मुद्दो को स्वीकारा भी है।लेकिन फिर भी उनकी जायज मांगे यथार्थ के धरातल पर उतर कर फलीभूत नही हो पा रही है। इस मुद्दे पर एक बड़े आंदोलन की दरकार मानी जा रही, ताकि जनआवाज दिल्ली तक पहुंचे ।इस आंदोलन के प्रेणता किशोर उपाध्याय का कहना है कि पर्वतीय क्षेत्र जहां संसाधनों की भारी कमी है ,वहा लोगो के घर बनाने के लिए मुफ़्त खनन,घर की खिड़की दरवाजो और ईंधन के लिए मुफ्त सुखी लकडिया मिलनी चाहिए।

साथ ही पढ़ाई व नोकरी के लिए वनवासी का दर्जा देकर समूचे उत्तराखंड को आरक्षण दिया जाना जरूरी है।यह मांगे कब फलीभूत होगी यह तो पता नही ,लेकिन इतना जरूर है कि इन मांगो को चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सबका समर्थन जरूर मिल रहा है।इतना होने पर भी ये मांगे पूरी क्यो नही हो रही है,यह सवाल हर किसी को परेशान कर रहा है। राज्य में भाजपा की सरकार लाकर राज्य को भय मुक्त व भ्ष्टाचार मुक्त करने का दावा करने वाली भाजपा ने राज्य में दो कदम आगे बढ़ना तो दूर बीस कदम पिछे कर लिए है।राज्य में कई कई मुख्यमंत्री बदलने के कारण सरकार नाम की कोई चीज दिखाई नही देती।विकास कार्य ठप्प होकर रह गए है,अपराध सिर चढ़कर परेशान कर रहे है । महंगाई की मार से आम जन परेशान है।ऐसे में राज्य स्थापना की खुशी कैसे मनाए यही सवाल हर किसी को सता रहा है। पूर्व मुख्य मंत्री स्वर्गीय नारायण दत्त तिवारी ने राज्य मेंऔद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर जहाँ राज्य को आर्थिक स्वावलम्बन के रास्ते पर ले जाने की कोशिश की थी,वही बीस सूत्री कार्यक्रम में उनके समय मे राज्य को लगातार चार बार देशभर में पहला स्थान मिला था।लेकिन आज विकास की सोच कही खो गई है।राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कुर्सी सम्भाले चन्द माह ही हुए है। जो कुछ कर भी नही पा रहे है सिवाय वायदों के। जिस कारण राज्य स्थापना का उत्साह ठंडा पड़ा हुआ है।

राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन दुनिया के खूबसूरत फूलों के बागों में से एक है। यहां पर रंग-बिरंगे और एक से बढ़कर एक बेहतरीन फूलों को देख सकते हो, उनकी खुशबुओं को महसूस कर सकते हो और घंटों तितलियों की तरह इन फूलों के आसपास मंडरा सकते हो। हर साल यह बाग फरवरी-मार्च में आम लोगों के लिए खोला जाता है। तो देर किस बात की, चलो इसकी सैर पर चलते हैं...

फूलों की दुनिया का नाम है...
मुगल गार्डन

फूलों का यह विशाल बाग मुगल गार्डन राष्ट्रपति भवन के पीछे के भाग में बना हुआ है। यह ऐसा गार्डन है, जहां देश-विदेश के सभी तरह के रंग-बिरंगे मनमोहक सुगंधित फूलों और फलों के पेड़ हैं, जिनका आनंद तुम ले सकते हो और अपनी जानकारी को बढ़ा सकते हो। यहां कई छोटे-बड़े बगीचे हैं, जैसे पर्ल गार्डन, बटरफ्लाई गार्डन, सर्कुलर गार्डन, हर्बल गार्डन आदि।

फूलों की बेहतरीन किस्में

यहां कई तरह के दुर्लभ फूल हैं, अति दुर्लभ काला गुलाब और हरे गुलाबों को देख सकते हो तुम। गुलाब की ही 250 से भी अधिक किस्में हैं इस बाग में। इसके अलावा यहां 125 प्रकार के गुलदाउदी, 50 से अधिक किस्म के बोगनविलिया और दुनियाभर में पाए जाने वाले सभी तरह के मैरीगोल्ड (गेंदा) को देख सकते हो। कैलेन्डुला एन्टिरहिनम, एलिसम, डिमोरफोथेका, केलिफोर्निया पॉपी, लार्क्सपर, गेरबेरा, गोडेतिया, लिनेरिया, पैन्सी, स्टॉक तथा डहेलिया, कारनेशन, स्वीटपी जैसे सर्दियों में खिलने वाले फूल काफी संख्या में यहां हैं। इनके अलावा मॉलश्री, पुत्रंजीव, सरू, जुनिपर, चाइना औरेंज जैसे वृक्षों को भी यहां देखा जा सकता है।

अर्जुन, भीम और जंतर-मंतर का फूल...

मुगल गार्डन में कुछ गुलाब के फूलों के नाम काफी रोचक हैं। कुछ फूलों के नाम महान हस्तियों के नामों पर हैं, जैसे मदर टेरेसा, अर्जुन, भीम, राजा राम मोहन, जवाहर, डॉ. बी.पी. पाल आदि, तो कुछ विदेशी नामचीन हस्तियों के नामों पर जैसे जॉन एफ कैनेडी, क्वीन एलिजाबेथ, लिंकन, मोंतेजुमा आदि। कुछ तो और रोचक हैं, जैसे हैप्पीनेस, सेंचुरी टू, फर्स्ट प्राइज, जंतर-मंतर, अमेरिकन हेरिटेज, आइसबर्ग, ग्रांडा, कमांड परफॉर्मेंस, इम्प्रेटर आदि।

बगीचे की बनावट ऐसी है...

मुगल गार्डन को राष्ट्रपति भवन के पीछे इसलिए बनाया गया था, क्योंकि मुगलों के बाग-बगीचे महल के पीछे ही हुआ करते थे। इसलिए एडवर्ड लुटियन्स ने इसे वैसा ही स्थान और स्वरूप दिया, जिस तरह से मुगल दिया करते थे। 13 एकड़ में फैले इस गार्डन में मुगल शैली के साथ-साथ ब्रिटिश शैली की भी झलक दिखती है। मेन गार्डन मुगल गार्डन का सबसे बड़ा भाग है। इसे पीस द रजिस्टेन्स के नाम से जाना जाता है। यह 200 मी. लंबा और 175 मी. चौड़ा है।

इसके उत्तर और दक्षिण में टेरेस गार्डन हैं और इसके पश्चिम में एक टेनिस कोर्ट तथा लॉन्ग गार्डन है। यहां से दो नहरें उत्तर से दक्षिण की ओर और दो नहरें पूर्व से पश्चिम की तरफ बहती हैं, जिनके बीच कमल के फूल के आकार के 6 फव्वारे बने हुए हैं। इन कमल के फव्वारों से 12 फीट की ऊंचाई तक पानी की धार उठती है।

चतुर्भुज आकार है इसका

यह गार्डन राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन से सटा है। इसे चार भागों में बांटा गया है। गार्डन के बीच में राष्ट्रपति द्वारा स्वागत समारोहों और प्रीति भोजों का आयोजन किया जाता है। इसकी बनावट मुगलों की चार बाग शैली का एहसास कराती है।

लॉन्ग गार्डन या गुलाबों के गलियारे

लॉन्ग गार्डन से होकर ही सर्कुलर गार्डन के लिए रास्ता जाता है। इस गार्डन में गुलाबों के लम्बे-लम्बे गलियारे हैं, जिनमें तराशी गई छोटी-छोटी छतरीनुमा झाड़ियां हैं, जो देखने में ऐसी प्रतीत होती हैं जैसे एक खूबसूरत रंगीन विशाल गलीचा बिछा हो।

पर्दा गार्डन

पर्दा गार्डन ऊंची-ऊंची दीवारों से घिरे मेन गार्डन के पश्चिम में है। इसमें छोटी-छोटी तराशी गई झाड़ियों से घिरे गुलाबों के स्क्वायर हैं, जो काफी खूबसूरत दिखते हैं। गार्डन के किनारे-किनारे चाइना ऑरेंज के पेड़ लगाए गए हैं। इस मौसम में पेड़ों पर फलों को देखना काफी मजेदार लगता है।

सर्कुलर या बटरफ्लाई गार्डन

सर्कुलर गार्डन पश्चिमी किनारे पर है। यहां पौधों की बहुत सी क्यारियां हैं। इसमें साल भर खिलते रहने वाले अनेक प्रजाति के फूल हैं। इन फूलों पर काफी संख्या में तितलियां देखी जाती हैं। मुगल गार्डन में सबसे अधिक तितलियां इसी गार्डन में फूलों पर मंडराती हैं, इसी वजह से इसे बटरफ्लाई गार्डन के नाम से भी जाना जाता है। गार्डन के बीच में बने म्यूजिकल फाउंटेन से शहनाई और वन्दे मातरम की धुन निकलती सुनाई देती है।

हर्बल गार्डन

मुगल गार्डन में हर्बल गार्डन है, जहां देश-विदेश के कई प्रमुख औषधियों के पेड़ हैं। यहां मौजूद सभी औषधियां काफी दुर्लभ और महत्वपूर्ण हैं। आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में इन औषधियों का खूब इस्तेमाल किया जाता है। यहां पर अश्वगंधा, विलायती पुदीना (बर्गामोट मिंट), ब्राह्मी, जावा घास, घृतकुमारी, गिलोय, ईसबगोल देख सकते हो।

ये फूल जरूर देखना...

गुलाब, गुलदाउदी, गेंदा (मैरीगोल्ड), डहेलिया, रात की रानी, मोगरा, मोतिया, जूही, बिगेनिया वनिस्ता, गार्डेनिया, पोट्रिया, हरसिंगार, बोगनविलिया।

कब जाओगे सैर पर...

मुगल गार्डन प्रतिवर्ष वसंत ऋतु में एक महीने के लिए खुलता है। सामान्यतः 15 फरवरी से 15 मार्च तक खुलने वाले इस गार्डन में वैसे तो पूरे महीने तुम जा सकते हो, लेकिन शुरुआत के 10-15 दिनों में यहां की छटा काफी खूबसूरत होती है। मंगलवार से रविवार तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक यह खुला रहता है, लेकिन प्रवेश शाम 4 बजे तक ही है। सोमवार को गार्डन बंद रहता है। इसमें आने-जाने का रास्ता राष्ट्रपति भवन के गेट नम्बर-35 से है। गेट नम्बर—35 चर्च रोड के पश्चिम सिरे पर नॉर्थ एवेन्यू के पास है। इसे देखने के लिए प्रवेश शुल्क नहीं है, निःशुल्क इसका आनंद उठा सकते हो।

इनका रखना ध्यान

गार्डन के अन्दर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर रोक है। यहां पर खाने के सामान, बैग, मोबाइल, कैमरा आदि ले जाने की मनाही है। अगर तुम्हारे पास कोई सामान है तो उसे गेट नम्बर-35 के पास बने लॉकर रूम में रखवा सकते हो।

भारतीय राज्यों से मिले...

हेलिकोनिया - केरल, हैदराबाद, चेन्नई
बोगनविलिया - खजुराहो (मप्र)
अल्पीनिया - गोवा, पेल्टोफोरम - चेन्नई
लीची - देहरादून, कन्ना, वाटर लिली - मुंबई
एसोर्टेड जैसमीन - चेन्नई, हुबली

विदेशों द्वारा दिए गए फूल-पेड़

ट्यूलिप्स - नीदरलैंड
बर्ड ऑफ पैराडाइज - मॉरिशस
ऑलिव - फ्रांस, ऑर्किड्स - ब्राजील
चेरी ब्लॉसम - जापान, वाटरलिली - चीन
कोनार्ड एडेन्योर - जर्मनी
एसोर्टेड सिजनल्स - जापान

कैसे बना मुगल गार्डन

आज से 103 साल पहले 1911 में जब अंग्रेजों ने अपनी राजधानी कलकत्ता से दिल्ली शिफ्ट की, तब वायसराय के रहने के लिए प्रसिद्ध अंग्रेज आर्किटेक्ट एडवर्ड लुटियन्स ने रायसीना की पहाड़ी को काटकर वायसराय हाउस (राष्ट्रपति भवन का पुराना नाम) बनाया। उसमें फूलों का बाग बनवाया गया, लेकिन वायसराय लॉर्ड हार्डिंग की पत्नी लेडी हार्डिंग को वह पसंद नहीं आया। उन्होंने मुगल शैली में गार्डन की बात कही, तब लुटियन्स ने मुगल शैली में गार्डन बनाया। 1928 में यह बनकर तैयार हुआ और इसमें वायसराय और उनकी पत्नी ने कदम रखा। तभी से इसका नाम मुगल गार्डन पड़ गया। देश आजाद होने और गणतंत्र बनने के बाद वायसराय हाउस राष्ट्रपति हाउस बन गया। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इसे जन साधारण के लिए खुलवाया। तब से हर साल यह एक माह के लिए आम लोगों के लिए खोला जाता है।

ऐसे बना पिग्गी बैंक

पिग्गी बैंक का नाम कैसे पड़ा, भला पिग और बैंक का क्या तालमेल है? चलो हम तुम्हें बताते हैं। दरअसल, 15वीं और 16वीं शताब्दी में जब लोगों के पास बैंकिंग सुविधा नहीं थी तब वो बारिश के मौसम के लिए कुछ पैसे घर में छिपाकर रखते थे। बारिश के मौसम में फसल का काम नहीं होता था, जो उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र साधन था।

पिग्गी बैंक का नाम पिग शब्द से उत्पन्न हुआ, जिसका मतलब है सूअर (जानवर)। प्राचीनकाल में जब मनुष्य शिक्षित नहीं थे, तो सूअर ऐसा जानवर माना जाता था, जिसे वह पूरे साल हर बचा हुआ खाना खिलाते थे और आखिर में उसे मारकर उसका मांस खाते थे। आज भी पिग्गी बैंक पैसे बचाने के लिए इसी रूप में इस्तेमाल होता है। हर घर में छोटे-बड़े कई गुल्लकों में घर खर्च से बचे हुए पैसे उसमें इकट्ठा किये जाते है और आखिर में उसे तोड़कर उसमें बचाये हुए पैसे का इस्तेमाल किया जाता है। 19वीं शताब्दी में बचत के लिए चिकनी मिट्टी और प्लास्टिक के बने हुए कई प्रकार और आकार के गुल्लक बाजार में बिकने लगे, जिसने बहुत कम समय में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसके सुन्दर और अनेक प्रकार के खिलौने के रूप में दिखने से इसने बच्चों का ध्यान भी आकर्षित किया। पिग्गी बैंक एक आसानी से बचत करने के तरीके के साथ बचे हुए पैसे के सदुपयोग में भी मददगार साबित हुआ। यही कारण है कि दुनिया भर के बच्चे इसे खूब पसंद करते हैं।

बच्चों में कोविड बाद अंगों में सूजन दुर्लभ

लेकिन इससे बनती है शारीरिक प्रतिरक्षा

ब्रिस्बेन (द कन्वरसेशन)। कोविड सामने आने के बाद चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों को सार्स-कोव-2 वायरस का पता करने में लंबा वक्त नहीं लगा जो बच्चों एवं वयस्कों को अलग-अलग ढंग से प्रभावित करता है। मार्च 2020 के प्रारंभिक अध्ययनों में एक में सामने आया कि 40-50 फीसद संक्रमित बच्चों में खासीं एवं ज्वर थे लेकिन उनमें वयस्कों की तुलना में बहुत हल्के लक्षण थे।

स्वास्थ्य अधिकारियों के बाद के अध्ययन से पता चला कि बच्चों में गंभीर बीमारी होने की संभावना कम रही और मौत के मामले दुर्लभ थे। लेकिन चिकित्सकों ने पाया कि शुरुआत में हल्के लक्षण होने या बिल्कुल कोई लक्षण नहीं होने के बावजूद कुछ बच्चों में संक्रमण के करीब चार हफ्ते बाद सूजन संबंधी प्रतिक्रिया नजर आई। पिछले साल मई में डॉक्टरों ने 18 बच्चों में ज्यादा-सूजन के लक्षण देखे और उनमें से एक बच्चे की मौत हो गई। ज्यादातर मरीज सार्स-कोव-2 को लेकर निगेटिव पाए गए लेकिन एंटीबडीज को लेकर पॉजिटिव पाए गए जिसका मतलब था कि वे पहले संक्रमित हो चुके थे। उसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा ब्रिटेन एवं अमेरिका के स्वास्थ्य निकायों ने अस्थाई रूप से बच्चों में बहुअंग सूजन लक्षण (एमआइएस-सी) या सार्स-कोव-2 से संबंधित बाल सूजन बहु अंग लक्षण (पीआईएमएस-टीएस) की दशा को परिभाषित किया।

लक्षण क्या थे

चूंकि कोई नैदानिक जांच नहीं है, इसलिए ऐसी दशाओं को लक्षण सामने आने से पहले बच्चों में ज्वर या सूजन संबंधी निशान या करीब चार हफ्ते में कोविड के संपर्क में आने के रूप में परिभाषित किया गया। अंगों के ठीक से कामकाज नहीं करने के क्लीनिकल लक्षणों में पेट में दर्द, उल्टी, अतिसार, त्वचा पर दाग, नेत्र-शोथ, होठ फटना तथा गंभीर मामलों में निम्नरक्तचाप और आघात शामिल हैं।

कितना सर्वनिष्ठ है : एमआइएस-सी दुर्लभ है। यूरोपीय प्राथमिक देखभाल रिकॉर्ड, दक्षिण कोरियाई दावे एवं अमेरिकी दावे एवं अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार कोरोना का पता चलने के बाद महज 0.1 से 0.3 फीसद लोगों में 30 दिनों तक एमआईएस-सी देखा गया। एक अमेरिकी अध्ययन में 0.05 फीसद में एमआईएस-सी देखा गया। इस अध्ययन में यह भी पाया कि श्वेत लोगों की तुलना में अश्वेत, हिस्पैनिक या लातिनी और एशियाई या प्रशांत क्षेत्र मूल के लोगों में एमआईएस-सी अधिक था। डेल्टा वैरिएंट के भारी पड़ने से पहले ये अध्ययन किए गए थे , इसलिए डेल्टा संक्रमण के बाद एमआईएस-सी के संबंध में नवीनतम जानकारियां जुटाने के लिए और अनुसंधान की जरूरत है।

कारक क्या है : एमआईएस-सी के संदर्भ में सूजन के कारण को अच्छी तरह नहीं समझा जा सका है। एमआईएस-सी के मरीजों में शुरू में कावासाकी रोग जैसे लक्षण नजर आए, मध्यम आकार की धमनियों, खासकर बच्चों की फुफ्फुस धमनियों की दीवारें सूज गईं। लेकिन एमआईएस-सी वाले बच्चे आम तौर पर कावासकी रोग वाले बच्चों (ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चों) की तुलना में अधिक उम्र (ज्यादातर स्कूल उम्र वाले) के थे तथा उनमें आंत संबंधी रुकावट एवं हृदयाघात नजर आए।

अनुसंधानकर्ताओं ने स्वस्थ बच्चों, कोरोना से पहले अध्ययन में शामिल कावासकी रोग वाले बच्चों, सार्स-कोव-2 से संक्रमित बच्चों एवं एमआईएस-सी वाले बच्चों की प्रतिरोधक कोशिकाओं एवं प्रतिरक्षा संबंधी अणुओं की तुलना की। इस विश्लेषण से सामने आया कि गंभीर कोरोना और कावासकी रोग वालों की तुलना में एमआईएस-सी सूजन संबंधी प्रतिक्रिया भिन्न थी। अहम बात है कि इस जांच से एमआईएस-सी के रोगियों में एंटीबॉडीज के असामान्य उत्पादन का पता चला जो इंडोथेलियल कोशिकाओं (जो रक्त शिराओं में होती है) और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की पहचान करता है।

एमआईएस-सी के मामलों में एंटीबॉडीज अपने आप ही शरीर से प्रतिक्रिया करता है, जिसका तात्पर्य है कि वे सामान्य जैवरासायनिक कामकाज में दखल देते हैं और शोथ (सूजन) को बढ़ाते हैं। उत्पादन के बाद स्वएंटीबॉडीज प्रतिरक्षा कोशिकाओं के साथ अंतर्संवाद करते हुए वृद्धि करते हैं और कई सप्ताह तक बने रहते हैं। यह बात इस तथ्य के साथ है कि एमआईएस-सी सार्स-कोव-2 के प्रारंभिक संक्रमण के साथ चार हफ्तों में शुरू होता है। वैज्ञानिकों को अब भी औपचारिक रूप से स्थापित करने की जरूरत है कि क्या स्वएंटीबॉडीज इसमें सहयोग करती हैं कि कैसे एमआईएस-सी शुरू होता है या मरीज में जब लक्षण होता है तो उनकी स्थिति कैसे बिगड़ती है।

उपचार कैसे किया जाता है : वैज्ञानिक अब भी एमआईएस-सी को समझने में जुटे हैं इसलिए इसलिए उसके लिए कोई स्पष्ट उपचार-पद्धति नहीं है। सघन चिकित्सा, प्रतिरक्षा विज्ञान एवं संधिवातीयशास्त्र, संक्रामक रोग, रुधिर विज्ञान एवं हृदयचिकित्सा में विशेषज्ञता रखने वाले बाल चिकित्सकों ने एमआईएस-सी के प्रबंधन के लिए सुझाव, सहमति एवं मार्गदर्शन विकसित की है। ज्यादातर बच्चे इस बीमारी से पूरी तरह उबर जाते हैं।

डेल्टा का क्या : डेल्टा स्वरूप अन्य पिछले संस्करणों की तुलना में अधिक संक्रामक है। न्यू साउथ वेल्स में विद्यालयों, प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं देखभाल सेवा केंद्रों में संक्रमण की दर 2020 के मूल कोविड संस्करणों की तुलना में पांच गुना अधिक थी। अमेरिकी आंकड़े अक्टूबर के पहले सप्ताह में 1,48,222 बच्चों में कोविड के मामले के बारे में बताते हैं। ये बच्चे कुल साप्ताहिक मामलों में 24.8 फीसद हैं। इसलिए बच्चों में संक्रमण में वृद्धि अधिक एमआईएस-सी का बड़ा खतरा पेश करती है।

टीके से खतरा घटेगा : संक्रमण को रोकने एवं संक्रमण से उत्पन्न गंभीर रूग्णता के जोखिम को कम करने के लिए आस्ट्रेलियन थेराप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) ने 12 साल और उससे ऊपर के बच्चों में कोरोना रोधी टीकारण की अंतरिम मंजूरी दी है। टीजीए ने यह भी कहा है कि फाइजर 5-11 साल के उम्र के बच्चों के वास्ते अपने कोविड रोधी टीकों की अंतरिम मंजूरी के लिए आवेदन कर सकती है। सितबर में बाद में फाइजर एवं उसके जर्मन सहयोगी बायोटेक ने 5-11 साल के 2268 बच्चों के परिणाम की घोषणा की जिन्हें वयस्कों एवं बालिगों की तुलना में एक तिहाई टीका दिया गया।

बड़े काम के नुस्खे

बुखार और पेट से परेशान लोगों के लिए

कानपुर (एसएनबी)। त्योहारों के बाद सीजनल बुखार, पेट की बीमारियां ही नहीं, आजकल संक्रामक रूप से फैला हुआ डेंगू और रहस्यमय बुखार लोगों के मन में डर पैदा कर रहा है, भय पैदा कर रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के बोर्ड मेंबर और देश के वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. रविंद्र पोरवाल ने मौसम की इन समस्याओं से निजात पाने के लिए बहुत ही कारगर और प्रभावशाली घरेलू उपाय बताए हैं।

डॉ. रविंद्र पोरवाल
आयुष मंत्रालय के बोर्ड सदस्य व विशेषज्ञ नेचुरोपैथ

'रहस्यमयी बुखार को कहें अलविदा'

रहस्यमयी बुखार जिसमें जांच कराने पर कोई बीमारी सामने नहीं आती है लेकिन मरीज का बुखार उतरने का नाम नहीं लेता। भयंकर कमजोरी, थकान, शरीर के एक-एक अंग में भीषण दर्द और आहार के प्रति अरुचि के कारण रोगी बेहाल हो जाता है। इस से मुक्ति पाने के लिए एक बहुत ही लाभकारी उपाय है। आप केली के फूलों को तवे पर भून कर उसकी भस्म बना लें। दो भाग केले के फूल की भस्म, एक भाग काली मिर्च और एक भाग लौंग का पाउडर लेकर तीनों चीजों को आपस में मिलाकर औषधि बनाएं और एक शीशी में रख लें। 2 ग्राम यह औषधि को शहद के साथ सुबह-दोपहर व शाम देने से फेफड़ों से दूषित कफ निकलने लगता है। सर्दी, जुकाम और बंद नाक, गले की खराश ठीक हो जाती है। बुखार पूरी तरह नियंत्रण में आ जाता है और 2 दिन में ही तबीयत में सुधार हो जाता है। इस प्रयोग को कम से कम 5 दिन जरूर करना चाहिए, भले ही बुखार 2 दिन में ही उतर जाए।

'घटती प्लेटलेट्स पर लगाएं ब्रेक'

डेंगू या अन्य किसी भी प्रकार के बुखार में जब बुखार उतरने का नाम ना ले, कमजोरी बहुत बढ़ जाए और प्लेटलेट्स काउंट निरंतर गिरता चला जाए तो छोटी पीपल, दालचीनी, काली मिर्च और लौंग को बराबर-बराबर मात्रा में लेकर पीसकर पाउडर बनाकर शीशी में भरकर रख लें। पपीता, तुलसी और पीपल के पत्तों का काढ़ा बनाइए। आप आधा चम्मच यह चूर्ण शहद के साथ चाट कर ऊपर से गरमगरम यह काढ़ा दिन में तीन बार पिलाने से 24 घंटे में प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं और बुखार भी कम हो जाता है। यह प्रयोग कम से कम 5 दिन करने से चमत्कारिक लाभ मिलता है और शरीर की इम्यूनिटी इतनी बढ़ जाती है कि भविष्य में भी शरीर जल्दी-जल्दी अस्वस्थ नहीं होता। इस नुस्खे का प्रयोग करते समय दही, मट्ठा, चावल, फ्रिज का ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक, चाय, कॉफी, जंक फूड, फास्ट फूड, तला हुआ प्याज, लहसुन का सेवन ना करें।

'कमजोर पाचन शक्ति को करें दुरुस्त'

त्योहार के मौसम में तला मसालेदार भोजन और मिठाइयां खूब खाई जाती हैं, जो जीभ को तो स्वादिष्ट लगते हैं लेकिन पूरा पाचन तंत्र गड़बड़ा जाता है। अक्सर त्योहार के बाद कब्ज, आंतों में मल का सूख जाना, गैस, पेट फूलना और एसिडिटी जैसी समस्याएं बच्चों से लेकर बड़ों तक को दुख देती हैं। खानपान में बदपरहेजी के बाद होने वाली इन समस्याओं के निवारण के लिए एक दिन केवल जल या फलों को लेकर उपवास रखना चाहिए। अगर संभव हो तो चार-पांच दिनों तक सायंकाल भोजन ना लेकर दूध दलिया, दूध ब्रेड या केवल फल खाकर पेट को आराम देना चाहिए। इसके साथ-साथ लगभग 6 सप्ताह तक खाना खाने के बाद गुड़ और मोटी सौंफ मुंह में रखकर धीरे-धीरे इसका अर्क ग्रहण करते रहें और आधा घंटे बाद सौंफ अच्छी तरह चबाकर एक गिलास नींबू पानी के साथ सेवन कर लें।

'कब्ज, गैस, पेट फूलना का स्थाई समाधान'

10 मिली नींबू के रस में 2 ग्राम भुनी हुई हींग और 5 ग्राम काला नमक मिलाकर इसमें 50 ग्राम अंडी के तेल में तली हुई छोटी हरड 24 घंटे के लिए भिगो दें। अगर नींबू का रस कम हो तो थोड़ा सा रस और मिला लीजिए। 24 घंटे के बाद हरड को बहुत धीमी आंच पर तवे पर हल्का-हल्का सेक कर सुखा लें। इस महा औषधि हरड को एक शीशी में रख लें। पुराने से पुराने पेट रोगी चाहे वह बूढ़े, बच्चे या जवान हों, सभी लोग खाना खाने के बाद एक या दो हरड को मुंह में रखकर धीरे-धीरे टॉफी की तरह चूसते हुए उसके रस को ग्रहण करें। यह लिवर, पेनक्रियाज को ताकत देने के साथ-साथ पेट की अनेकों प्रकार की बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए बहुत कारगर नुस्खा है। इससे खुल कर पेट साफ होता है। आव, मरोड़, गैस, भूख की कमी, खायापिया शरीर में ना लगना आदि समस्याएं पूरी तरह ठीक हो जाती हैं और शरीर में खून का निर्माण तेज होता है। लिवर शक्तिशाली हो जाता है। पाचन तंत्र के लिए यह बहुत चमत्कारी नुस्खा है।

'पेट का अल्सर और अम्ल पित्त'

अम्ल पित्त, पेट में अल्सर के रोगी रात्रि में सोते समय और प्रातः खाली पेट कच्चा जीरा एक चम्मच चबा-चबा कर खाएं और जीरा चबाने के बाद 50 ग्राम ठंडे दूध में 50 ग्राम ठंडा पानी मिलाकर पीने से एसिडिटी, सीने में जलन, खाना खाने के बाद उल्टी की इच्छा होना या सुबह उठते ही पीला-पीला पित्त उल्टी में गिरने की समस्या और पेट का अल्सर पूरी तरह ठीक हो जाता है। इस नुस्खे का प्रयोग करते समय तामसिक प्रकृति की चीजें, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, लाल मिर्च, गरम मसाला, रिफाइंड ऑयल के सेवन से पूरी तरह बचना चाहिए। ताजे फल, ताजे फलों का रस, ठंडे दूध का सेवन हितकारी है लेकिन सभी प्रकार की दाल और आलू का सेवन भी ना करें। मजबूरीवश कभी दाल का सेवन करना पड़े तो नींबू और देसी घी डालकर बिना फ्राई किए हुए दाल का सेवन करना चाहिए। एक आंवला डालकर गाजर का रस दिन में दो बार लेना अत्यंत लाभकारी है। ताजे गुलाब के फूल की पंखुड़ियों को अच्छी तरह धुल कर पीस लें, उस का 10 से 15 मिली रस शहद के साथ या ताजे जल से पीने से एसिडिटी के कारण निस्तेज पीला पीला और आकर्षणहीन चेहरा फिर से युवा आकर्षक हो जाता है और गाल गुलाबी हो जाते हैं।

'टीटू वेड्स शेरू' के लिए उत्साहित है कंगना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी आने वाली फिल्म 'टीटू वेड्स शेरु' के लिए बेहद उत्साहित है। कंगना रनौत अपने होम प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' बना रही है। कंगना ने फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' की शूटिंग की तैयारियां शुरू कर दी है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, टीटू वेड्स शेरू की शूटिंग की स्क्रिप्ट रीडिंग की दो दिन बाद फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली हैं। शूटिंग को लेकर बेहद उत्साहित हूं और थोड़ी सी नर्वस भी हूं। गौरतलब है कि 'टीकू वेड्स शेरू' के निर्देशक साई कबीर हैं। इस फिल्म में कंगना के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे।

लेखिका कनिका ढिल्लो मां बनीं

मुंबई (आईएएनएस)। हिंदी सिनेमा में अपने लेखन से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने वाली मशहूर लेखिका कनिका ढिल्लो ने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है। उन्होंने अपने बच्चे का नाम वीर रखा है और तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

कनिका ने अपने पति हिमांशु शर्मा, वीर और खुद की तस्वीरों के साथ एक कैप्शन लिखा, सभी को प्यार, खुशी की शुभकामनाएं! उन्होंने मां के दौरान की कुछ पुरानी तस्वीरें भी साझा की, जिसमें वो बहुत खूबसूरत लग रही थी। अपनी नई यात्रा शुरू करने से पहले लेखिका ने कहा, वीर ने मुझे एहसास दिलाया है कि जीवन वास्तव में सुंदर है। यह हिमांशु और मेरे लिए एक महत्वपूर्ण समय है, क्योंकि हम अपने शुभचिंतकों के साथ अपनी खुशी साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम एक शुभ अवसर पर अपने बच्चे को इंस्टाग्राम परिवार से मिलवाना चाहते हैं। कनिका ने 'मनमर्जियां', 'केदारनाथ', 'जजमेंटल है क्या', 'हसीन दिलरुबा' और 'रश्मि रॉकेट' जैसी कुछ फिल्मों की कहानियां लिखी हैं। उनकी अगली फिल्म अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर-स्टारर 'रक्षा बंधन' है। कनिका और हिमांशु द्वारा लिखित फिल्म, हिमांशु के लंबे समय के सहयोगी, आनंद एल राय द्वारा निर्देशित की जाएगी और 11 अगस्त, 2022 को रिलीज होगी।

'अल्पाइन गर्ल' ने ऊंचाई पर स्थित 50 झीलों तक चढ़ाई का बनाया रिकॉर्ड

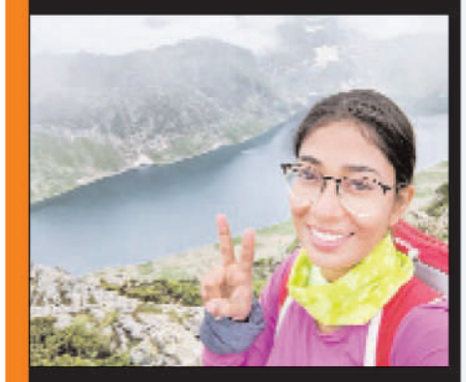

श्रीनगर (भाषा)। बेंगलुरू की नम्रता नंदीश ने गठिया रोग से पीड़ित होने के बावजूद चार महीने में कश्मीर में समुद्र तल से करीब 10 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित 50 झीलों तक सफलतापूर्वक चढ़ाई करने का अनूठा कीर्तिमान बनाया है। इस खास उपलब्धि को लेकर नम्रता को 'अल्पाइन गर्ल' के नाम से नई पहचान मिली है।

बेंगलुरू के बेलांदुर इलाके की रहने वाली नम्रता अधिक ऊंचाई वाली इन 50 झीलों तक चढ़ाई करने वाली संभवतः पहली महिला हैं। उन्होंने अभियान की शुरुआत तुलियन झील से की है। यह दक्षिण कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पीर पंजाल और जांस्कर पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित है। उन्होंने अनंतनाग-किश्तवाड़ क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में शिलसर झील के साथ अपना यह शानदार एवं रोमांचक अभियान समाप्त किया। नम्रता ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा कि कुछ भी पूर्व निर्धारित नहीं था। यह सब मेरे पति अभिषेक के विचार से शुरू हुआ जो पिछली सर्दियों में श्रीनगर गए थे। दंपति ने 26 जनवरी को कश्मीर घाटी की यात्रा शुरू की थी।

नम्रता ने कहा कि मैंने इस अभियान के लिए अपने जन्मदिन पर इस मौसम में 33 झीलों की यात्रा करने का फैसला किया था। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में मानव संसाधन प्रबंधक के रूप में काम करने वाली नम्रता के लिए कोविड-19 महामारी के चलते घर से काम करने की सुविधा लाभकारी सिद्ध हुई। उन्होंने अभियान की शुरुआत जून के मध्य में की। स्थानीय विशेषज्ञ पर्वतारोही सैयद ताहिर इस अभियान के दौरान उनके साथ रहे। उन्होंने नम्रता से मुलाकात का जिक्र कर कहा कि पर्यटक यहां आते हैं और तीन से चार दिन का पर्वतारोहण करना चाहते हैं। सैयद ताहिर करीब एक दशक से इस उद्योग से जुड़े हैं।

बदलते हालात ने बनाया

क्रिकेटर विशाल को फिल्मकार

एक दृश्य की कल्पना कीजिए- उन्नीस-बीस साल का एक लड़का सुबह की अपनी क्रिकेट प्रैक्टिस से घर लौटा है और पाता है कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। मां और बहन निःशब्द शून्य में खोई हैं, पास में पिता का बेजान शरीर एक ओर पड़ा है। दरअसल, यह क्रिकेट ट्रैजिक फिल्म के क्लाइमेक्स की परिकल्पना भर नहीं है, बल्कि हिंदी सिनेमा के मशहूर फिल्मकार विशाल भारद्वाज की जिन्दगी का एक त्रासद अध्याय है। पिता की असामयिक मौत ही वह मोड़ है, जहां से उनकी जिन्दगी ने करवट ली। पिता की छांह में बीतने वाला उनका लड़कपन अचानक जवानी में बदल गया, क्रिकेट का मैदान पीछे रह गया, जिन्दगी की जद्दोजहद अपनी तमाम चुनौतियों के साथ सामने आ खड़ी हुई। लेकिन वो कहते हैं न कि हर चुनौती एक नई राह लिए आती है। विशाल की जिन्दगी में भी कुछ ऐसा हुआ। क्रिकेट से उनका नाता टूटा और संगीत से जुगलबंदी करते हुए आखिरकार वह सिनेमा से आ जुड़े।

■ सुंदरम आनंद

नई दिल्ली।

क्रिकेटर विशाल

अपनी किशोरावस्था में विशाल एक प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हुआ करते थे। साल 1982 में उत्तर प्रदेश की अंडर-19 क्रिकेट टीम में उनका चयन भी हुआ था। लेकिन नियति को शायद उनका क्रिकेटर बनना गवारा नहीं था। कर्नल सीके नायडू ट्राफी के अपने पहले मैच से एक दिन पहले छत से टकरा कर उनका सिर फूट गया और वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अगले साल कुछ अस्पष्ट नियमों के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा। लिहाजा उन्होंने दिल्ली आकर अपने क्रिकेट करियर को संवारने का निर्णय लिया। क्रिकेटीय प्रतिभा के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कालेज में न केवल उन्हें दाखिला मिल गया, बल्कि वे यूनिवार्सिटी की क्रिकेट टीम में चुन भी लिए गए । लेकिन भाग्य एक बार फिर उनसे रूठा रहा और मैच प्रैक्टिस करते हुए हाथ में लगे चोट ने उन्हें पूरे सीजन बाहर बैठने पर विवश कर दिया

संगीतकार बनने की कहानी

यूं तो विशाल के पिता पेशे से गन्ना इंस्पेक्टर थे लेकिन तबीयत से कवि और गीतकार थे । हिंदी सिनेमा के कई संगीतकारों मसलन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, कल्याणजी-आनंदजी, ऊषा खन्ना अदि के लिए उन्होंने गाने भी लिखे । गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ वे बम्बई आया करते थे। इनके अलावा विशाल के बड़े भाई भी मैन्डोलिन बजाया करते थे। इन सब के मिले जुले प्रभाव के कारण संगीत में उनकी स्वाभाविक दिलचस्पी पैदा हुई। आगे पिता की बेवक्त मौत के कारण उपजी आर्थिक चुनौतियों, यूनिवर्सिटी की एक म्युजिकल स्टार के आकर्षण और क्रिकेट में बार-बार उभरने वाले दुर्भाग्य ने उन्हें एक मुकम्मल संगीतकार बनने का रास्ता दिखाया।

लव-स्टोरी

जैसा कि विशाल भारद्वाज ने खुद कई बार बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान उनकी रेखा जी से मुलाकात हुई। तब रेखा अपनी उम्दा गायकी के कारण खासी लोकप्रिय थी। विशाल उन्हें प्रभावित करने के लिए नई-नई धुनें तैयार कर सुनाया करते थे । एक दिन उनकी मेहनत रंग लाई और आखिरकार वे रेखा जी का हृदय जीतने में तो कामयाब रहे ही, आगे चलकर परिणय सूत्र में भी बंधे।

बम्बई का सफ़र

दिल्ली में रहते हुए उनकी मुलाकात आरवी पंडित से हुई, जिन्होंने उन्हें सीबीएस म्युजिक कम्पनी में नौकरी का प्रस्ताव दिया। आर्थिक संघर्ष से जूझते विशाल ने सहर्ष इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। सीबीएस में रहते हुए ही एक दोस्त के माध्यम से गुलजार से उनकी मुलाकात हुई। गुलजार के लिए विशाल ने जंगलबुक, एलिस इन वंडरलैंड, गुच्छे जैसे धारावाहिकों में संगीत दिए। गौरतलब है कि जंगल बुक के लिए संगीतबद्ध उनका गाना जंगल जंगल बात चली है... पता चला है काफी लोकप्रिय भी हुआ। इसी क्रम में वे सीबीएस के कर्मचारी के रूप में अपना तबादला कराकर बम्बई पहुंचे। आगे चलकर पंडित के इसरार पर उन्होंने गुलजार से उनकी मुलकात कराई। आरवी पंडित बहुत अरसे से पंजाब के आतंकवाद पर कुछ करने के इच्छुक थे और इस प्रकार उनके सहयोग से 1995 में पंजाब समस्या पर गुलजार की फिल्म माचिस सामने आई। इस फिल्म के गीत और संगीत ने काफी प्रशंसा बटोरी। इस प्रकार, विशाल की फिल्मी पारी की आधिकारिक शुरुआत माचिस से हुई। इसके बाद उन्होंने सत्या, गॉडमदर जैसी चर्चित फिल्मों सहित कोई सात- आठ फिल्मों के लिए संगीत दिए।

गुलजार से जुगलबंदी

गुलजार ही वो शख्स हैं, जिन्होंने सबसे पहले सही मायने में विशाल की प्रतिभा को पहचाना। जब एक संगीतकार के रूप में उनका करियर उतार पर था, गुलजार की सलाह पर ही उन्होंने गंभीरता से फिल्म देखना, लिखना और सिनेमाई तकनीकों को आत्मसात करना शुरू किया। इस क्रम में उन्होंने अमेरिकी फिल्मकार क्वेंटिन टेरेंटीनो की मशहूर फिल्म 'पल्प फिक्शन' देखी और इसी दौरान उनका सामना पोलैंड के कालजयी सिनेमाकार क्रिज्तोफ किस्लोवस्की की 'टेन कमांडमेंट' पर आधारित 'डेकालौग (दस फिल्मों की सीरीज)' से हुआ। यहां से विशाल भारद्वाज की जीवनधारा ही बदल गई और उन्होंने एक फिल्म निर्देशक बनने का निर्णय लिया। 2002 में चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी ऑफ इंडिया के वित्तीय सहयोग से उनकी पहली फिल्म मकड़ी आई । दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म को चिल्ड्रेन फिल्म सोसायटी के कारिंदों ने बेकार निर्देशन का हवाला देकर खारिज कर दिया था। लेकिन धुन के पक्के विशाल ने गुलजार की सलाह और अपने एक दोस्त की मदद से सीएफएसआई से वापस इसे खरीद कर रिलीज किया और इस फिल्म को उस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।

यूपी चुनाव 2022: रामअचल के सहारे राजभर समाज को साधने का प्रयास करेगी सपा

वाराणसी। किसी जमाने में बसपा के पिछड़े चेहरे के रूप में पहचान बनाने वाले रामअचल राजभर रविवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पहले ही सपा के साथ चुनावी गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। रामअचल के सपा में आने से अब राजभर मतों में बिखराव थम सकता है। कारण, पूर्वांचल में भी पिछड़ा समाज में अपनी पैठ रखने वाले रामअचल अवध क्षेत्र में भी सपा को फायदा पहुंचा सकते हैं। दरअसल, राजभर मतों को साधने के लिए भाजपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले सुभासपा को अपने साथ लिया था। सुभासपा के विकल्प के रूप में भाजपा ने सपा से ही आए अनिल राजभर को समाज के चेहरे में रूप

में प्रस्तुत किया। मगर, कैबिनेट मंत्री बनने के बाद भी अनिल राजभर सुभासपा का विकल्प नहीं बन पाए और न ही समाज में अपनी उस तरह से पैठ बना पाए हैं।

राजभर मतों में बिखराव की स्थिति!- उधर, सुभासपा के बाद अब बसपा से निकाले गए रामअचल राजभर के सपा में आने के बाद वाराणसी के अलावा सलेमपुर, बलिया, मऊ, गाजीपुर सहित अन्य जिलों में राजभर समाज को सपा की ओर से लाने का प्रयास होगा। दरअसल, पूर्वांचल में राजभर वोट 12 से 15 फीसदी है और वर्ष 2014 से पहले तक उसे गैर भाजपा मत माना जाता था। मगर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिर सुभासपा से भाजपा के गठबंधन के बाद उसका रुख बदला था। वर्तमान हालात में राजभर मतों में बिखराव की स्थिति तो बन रही थी, मगर अब सपा इस बिखराव को हर हाल में रोकने की कोशिश करेगी।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- यूपी में मिशन 300 प्लस के लक्ष्य को पूरा करेगी भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि विधानसभा चुनाव 2022 में मिशन 300 प्लस के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में हुए कार्य से दलित, शोषित, वंचित, गांव, गरीब और किसान भाजपा सरकार को अपनी सरकार मानते है। स्वतंत्र देव ने ये विचार भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में व्यक्त किए। वह भाजपा प्रदेश मुख्यालय से राष्ट्रीय कार्यसमिति से वर्चुअली जुड़े थे। उन्होंने कहा कि सपा व बसपा के शासन में प्रदेश में अराजकता और भ्रष्टाचार का माहौल था। हिंसा, दंगे और आतंकी घटनाएं होती थीं। योगी सरकार के कार्यकाल में कानून का राज कायम हुआ है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए बूथ समितियों का गठन हो गया है और पन्ना प्रमुखों की नियुक्ति भी हो गई है। मंडल स्तर पर संगठन और अग्रिम मोर्चा की टीम गठित हो गई है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विधानसभा वार सम्मेलन, लाभार्थी संपर्क सहित संगठन की गतिविधियां भी तेजी से चल रही हैं।

मायावती का सपा पर आरोप, दलित व पिछड़ों के संतों व गुरुओं का किया तिरस्कार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी से निष्काषित विधायकों के बीते दिनों समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद से बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती लगातार सपा पर हमलावर हैं। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दो ट्वीट से से समाजवादी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी पर देश के महान दलित व पिछड़ों के संतों तथा गुरुओं का तिरस्कार करने का बड़ा आरोप लगाया है। मायावती ने कहा कि समाजवादी पार्टी शुरू से ही दलितों व पिछड़ों में जन्मे महान संतों, गुरुओं की तिरस्काती रही है। उन्होंने कहा कि इसका खास उदाहरण फैजाबाद जिले में से बनाया गया अम्बेडकर नगर है। भदोही को नया जिला संत रविदास नगर बनाने का भी विरोध किया तथा इसका नाम भी समाजवादी पार्टी की सरकार ने बदल दिया था। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के

अनेकों संस्थानों व योजनाओं आदि के नाम जातिवादी द्वेष के कारण समाजवादी पार्टी की सरकार ने बदले थे। ऐसे में अब समाजवादी पार्टी से उनकी व उनके मानने वालों के प्रति आदर-सम्मान व सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि चाहे अब यह पार्टी इनके वोट की खातिर कितनी भी नाटकबाजी क्यों ना कर ले। जनता को इनके मंसूबों को समझना पड़ेगा। इससे पहले भी मायावती ने कहा था कि बसपा व अन्य विरोधी पार्टियों के भी निष्कासित लोगों को समाजवादी पार्टी में शामिल करने से इस पार्टी का कुनबा व जनाधार आदि बढ़ने वाला नहीं है। इससे यह और भी घटता व कमजोर होता हुआ ही चला जाएगा। सपा को यह मालूम होना चाहिये कि ऐसे स्वार्थी व दलबदलू किस्म के लोगों को लेने से, इनकी खुद की अपनी पार्टी में टिकटार्थी लोग अब बहुत गुस्से में हैं। इनमें से भी अब तो बसपा के सम्पर्क में हैं। वैसे भी वह चुनाव में अन्दर-अन्दर इस पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाने वाले हैं।

बागपत में हत्या करके बुजुर्ग का शव रजवाहे पर फेंका, नहीं हो सकी शिनाख्त

बागपत। बागपत में हत्या के बाद शव मिलने सनसनी फैल गई। यहां बड़ौत के छपरौली रोड पर स्थित एक सूखे रजवाहे के पास एक बुजुर्ग की हत्या कर शव को फेंक दिया। सोमवार की सुबह लोगों ने जैसे ही रजवाहे के पास शव पड़ा देखा तो सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। वहां मौजूद स्थित ईंट भट्ठों से भी लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर वहां मौजूद लोगों से उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। आसपास गांव और थानों में घटना की जानकारी दी गई है कि कहीं से कोई बुजुर्ग तो लापता नहीं है। बुजुर्ग के सिर पर चोट के निशान है ऐसा लग रहा है कि ईंटों से कुचलकर बुजुर्ग की हत्या की गई है। एसओ रवि रत्न सिंह ने बताया कि बुजुर्ग का शव रजवाहे के पास से बरामद हुआ है। शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा कि हत्या हुई है या किसी और कारण से मौत हुई है।

शव फेंका गया या घटनास्थल पर ही की हत्या- रजवाहे के पास पड़े मिले शव के मामले में पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि बुजुर्ग की हत्या किसी दूसरे स्थान पर की गई या बुजुर्ग को पहले अगवा किया और फिर रजवाहे पर लाकर उसे मौत के घाट उतारा गया। वह कुर्ता पायजामा पहने हुए था। छपरौली रोड पर मोड़ स्थित है। वहीं पर यह रजवाहा है। रजवाहे पर आम रास्ता नहीं है इसलिए जिन भी किसानों के खेत वहां मौजूद हैं उनमें दहशत का माहौल बना हुआ है।

लखीमपुर हिंसा मामले में 15 को होगी मंत्री पुत्र सहित तीन आरोपितों की जमानत पर सुनवाई, अब तक 17 की गिरफ्तारी

लखीमपुर। लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए 8 लोगों की मौत के मामले में अब तक 17 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिसमें 13 लोग किसानों की मौत के आरोप में जबकि चार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं की हत्या के आरोप में जेल की सलाखों के पीछे हैं। इस मामले में केंद्रीय मंत्री के पुत्र व घटना के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र समेत तीन आरोपितों की जमानत पर सुनवाई 15 नवंबर को जिला जज की अदालत में होगी। इससे पहले जमानत की 2 तारीखों पर केस डायरी व साक्षी पेश न होने के कारण सुनवाई जिला जज मुकेश मिश्र ने टाल दी थी। इस बहुचर्चित मामले में अब तक दोनों पक्षों से

की ओर से सवा सौ से ज्यादा गवाहों के बयान भी अदालत में कराए जा चुके हैं। साथ ही ढाई सौ से ज्यादा लोगों के शपथ पत्र भी अदालत में दाखिल हैं । जो मौका ए वारदात के वक्त घटनास्थल पर ही मौजूद बताए जा रहे हैं। इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी एसआईटी के मुखिया आईपीएस अधिकारी उपेंद्र अग्रवाल को नया दायित्व भी सौंप दिया जा चुका है। वह देवीपाटन के नए डीआईजी बन चुके हैं, बताया जाता है कि उन्होंने देवीपाटन में ज्वाइन भी कर लिया है और पिछले करीब 10 दिन से वह देवीपाटन में ही मौजूद है। यहां की कमान अब एक और आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार सिंह जो बाराबंकी पीएसी में उप सेनानायक के पद पर तैनात हैं, उनके हाथ में है जबकि उनका साथ लखीमपुर खीरी के एडिशनल एसपी अरुण कुमार सिंह व डिप्टी एसपी संजय नाथ तिवारी दे रहे हैं। जबकि मामले की विवेचना विशेष जांच प्रकोष्ठ के प्रभारी इंस्पेक्टर विद्या राम दिवाकर कर रहे हैं।

मेरठ में बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी, जेवर के साथ कीमती सामान सब गायब

मेरठ। लिसाड़ी गेट क्षेत्र के मजीदनगर मेवगढी में बंद मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के जेवर और कपड़े चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी मकान मालिक को उस समय लगी जब पीड़ित स्वजनों सहित ससुराल से वापस लौटा, तो कमरे का ताला टूटा देख दंग रह गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

यह है मामला- मजीदनगर मेवगढ़ी निवासी जिकरिया उर्फ जावेद पुत्र फईमुदीन टेल पत्थर का ठेकेदार है। दीपवली की छुट्टी होने के कारण तीन दिन पहले वह स्वजनों के साथ इंचौली ससुराल चला गया था। तभी से वह ससुराल में रह रहा था। सोमवार की दोपहर वापस लौटा तो मेनगेट का ताला खोलकर अंदर गया तो कमरे का कुंडा उखड़ा पडा था। कमरे में जाकर देखा तो कमरे में रखी सेफ अलमारी खुली पड़ी थी और उसके अंदर से करीब तीन लाख के सोने चांदी के जेवरात व कीमती कपड़े गायब थे। पीड़ित ने चोरी की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस पूछताछ में पीड़ित ने बताया की चोर दीवार फांदकर मकान में घुसे हैं। उसकी दीवार छोटी है। पुलिस ने चोरो के बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन चोरों का सुराग नहीं लग पाया। पत्नी शबाना ने बताया कि चोर सोने चांदी के जेवरात दिए गए हैं। नकली का सामान छोड़ गये। पुलिस ने जल्द चोरी का राजफाश करने का आशवासन दिया।

महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष महक वारसी गिरफ्तार, जेल भेजी गई, सियासत शुरु

मुरादाबाद। महिला कांग्रेस की महानगर अध्यक्ष माहिरा उर्फ महक वारसी को गैंगस्टर कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर मुगलपुरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनका मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उन्हें रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। महक वारसी पर वर्ष 2014-15 में ठाकुरद्वारा कोतवाली में धोखाधड़ी आदि के मुकदमों के आधार पर गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया गया था। महक वारसी ने मुरादाबाद देहात सीट से टिकट के लिए कुछ दिन पहले ही दावेदारी की है। लिहाजा उनकी इस गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक हलकों में चचाओं का दौर भी शुरू हो गया है। थाना मुगलपुरा के प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मोहल्ला शौकतबाग फैजगंज निवासी महक वारसी के खिलाफ गैंगस्टर कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी था, जिसके आधार पर थाना पुलिस ने रविवार को उन्हें घर से गिरफ्तार कर रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया।

देशभर के पर्यटकों को लेकर अयोध्या पहुंची रामायण एक्सप्रेस, भक्त हुए भाव विभोर

अयोध्या। सुबह के नौ बज रहे हैं। हाल ही में फैजाबाद जंक्शन से अयोध्या कैंट हुए रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य निरीक्षक अजय सिंह अपने सहकर्मियों से निर्देश देने के अंदाज में कहते हैं कि पर्यटकों के स्वागत के लिए पुष्प लाकर स्टेशन के मुख्य द्वार पर रख लो...। ट्रेन आने के बाद सभी मुख्य द्वार पर खड़े होकर उनका स्वागत करेंगे। तैयारियों में करीब दस मिनट का समय बीत जाता है और तभी पश्चिम दिशा से ट्रेन की सीटी सुनाई पड़ती है। लो..आ गई रामायण एक्सप्रेस...। यह कहते हुए वह आगे बढ़ते हैं और तब तक देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं को लेकर रामायण एक्सप्रेस भी प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंच जाती है। सबसे पहले ट्रेन से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम के कर्मचारी उतरते हैं। उनके पीछे पूजा में उपयोग होने वाली घंटियों की ध्वनि करते हुए दिल्ली के वृंदावन फूड्स की टीम भगवा रंग का चोला पहने उतरती है। एक पल को ऐसा लगा कि मानो किसी मंदिर के सामने खड़े हों। इसके बाद ट्रेन की बोगियों से एक-एक कर उतरे पर्यटकों के मुख से सिर्फ जय

श्रीराम का उद्घोष ही सुनाई पड़ रहा था। रामनगरी पहुंचकर खुद को निहाल महसूस कर रहे पर्यटकों की प्रबल इच्छा रामलला के दर्शन की रही। ट्रेन लेकर पहुंचे आइआरसीटीसी से जुड़े हेमंत कुमार ने बताया कि रामायण एक्सप्रेस में 132 पर्यटक यात्रा कर रहे हैं। यात्रा का पहला पड़ाव अयोध्या है। इसके बाद मंगलवार को दोपहर बाद ट्रेन बनारस की ओर प्रस्थान करेगी।

भगवान राम के गुणगान के साथ मोदी-योगी को दिया धन्यवाद: रामायण एक्सप्रेस से अयोध्या पहुंचे पर्यटक भगवान राम का भजन एवं जयघोष करने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद भी ज्ञापित कर रहे थे। मुंबई से डॉ. राजेंद्र तिवारी और यशोदा तिवारी पहली बार अयोध्या आए हैं। राजेंद्र कहते हैं कि राम मंदिर के रूप में भारत विश्व पटल पर चमक रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री दोनों बधाई के पात्र हैं। वहीं, चंड़ीगढ़ के रहने वाले रामदास गुप्त पहले भी अयोध्या आ चुके हैं। लेकिन, यह यात्रा उनके लिए बेहद खास है। वह कहते हैं कि रामनगरी में जितनी बार भी आइये मन नहीं भरता है।

ताजमहल के प्रवेश द्वार पर हाथापाई: अव्यवस्थाओं के बीच 30668 पर्यटकों ने किया ताज का दीदार

आगरा। पर्यटन सीजन शुरू होते ही ताजमहल का दीदार मुसीबत से भरा हो गया है। रविवार को ताज पर पहुंचे पर्यटकों को एक से दो घंटे तक लाइन में लगकर प्रवेश का इंतजार करना पड़ा। गेट पर धक्कामुक्की में कई महिलाएं व बच्चे दब गए। पर्यटकों में हाथापाई भी हुई। एएसआई के इंतजाम नाकाफी रहे। रविवार को 30,668 देसी-विदेशी पर्यटकों ने ताजमहल का भ्रमण किया। अक्तूबर से पर्यटन सीजन के साथ ही ताज पर पर्यटकों की आमद बढ़ गई है। सप्ताहांत में शनिवार को 32 हजार से ज्यादा पर्यटक पहुंचे थे। रविवार की सुबह से ही पर्यटकों की लाइनें पश्चिमी और पूर्वी गेटों पर लगी हुई थीं। दोपहर एक बजे के बाद दोनों गेटों पर प्रवेश करने वाली लाइनों पर दबाव बढ़ गया। पश्चिमी गेट पर मारामारी के हालात बने रहे। ताजमहल के पश्चिमी गेट पर टिकट स्कैन करने में ही दो से तीन मिनट लग रहे थे, जबकि चेकिंग में भी दो मिनट का समय लग रहा था।

रायबरेली में रुई के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का माल जलकर राख

रायबरेली। नगर के जहानाबाद में सोमवार की दोपहर शार्ट सर्किट से रूई के गोदाम में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। हादसे में करीब 12 लाख की रूई जलने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, किसी

के हताहत होने की खबर नहीं है। जहानाबाद निवासी इरशाद अहमद के के गोदाम में दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। आग की लपटों से कुछ ही देर में पूरा गोदाम घिर गया। मौके पर पहले पुलिस और भी अग्निशमन दस्ता पहुँचा। स्थानीय लोग भी मदद के लिए आगे आये।

आग बुझाने में करीब एक घंटे लग गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नही हुई। आसपास की दुकानों में भी कोई नुकसान नहीं हुआ। गोदाम मालिक ने बताया कि शार्ट सर्किट से आग लगी है। करीब 12 लाख का माल जल गया है। कोतवाल अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच कराई जा रही है कि गोदाम में आग से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम थे या नही। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो , इसके लिए जल्द ही अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर शहर के भीतर के बड़े प्रतिष्ठानों को चेक किया जाएगा।

तंग गलियों में बड़ी बड़ी इमारतें: बना ली गई हैं। फायर ब्रिगेड से बिना अनुमति लिए निर्माण किये गए और किये जा रहे है। इन गलियों में बड़े फायर टेंडर जा ही नहीं सकते हैं। प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर कई बार आकर्षित किया गया, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। वहीं विकास प्राधिकरण भी आंख बंद कर नक्शा पास कर रहा। इस कारण अग्निकांड का खतरा बढ़ता जा रहा है।

बांदा: मनी लॉड्रिंग मामले में मुख्तार अंसारी पर कसा शिकंजा

बांदा। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का तीन सदस्यीय दल पूछताछ कर रहा है। अदालत के आदेश पर ईडी अधिकारी यहां आए और पिछले पांच घंटे से अंसारी से पूछताछ कर रहे हैं। कुछ समय पहले मुख्तार अंसारी ने अपनी जान को खतरा जताया था। गौरतलब है कि मुख्तार अंसारी मऊ सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह 1999 में आगरा की सेंट्रल जेल में बंद थे, तब उनकी बैरक में 18 मार्च 1999 को पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने छापा मारा था। वहां से मोबाइल और बुलेट प्रूफ जैकेट मिली थी। इस मामले में आगरा के जगदीशपुरा थाने में अंसारी के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने अंसारी के खिलाफ चार्जशीट अदालत में दाखिल की थी।

भारत का सबसे महंगा पान है 'कोहिनूर', आपकी सेक्स लाइफ बेहतर बनाने का करता है दावा

जब भी हम पान की बात करते हैं तो हमारे माइंड में बनारसी पान ही क्लिक होता है। ऐसा इस लिए भी होता है क्योंकि हमने बचपन से ही बनारसी पान के बारे में अमिताब बच्चन के गानों, बॉलीवुड फिल्मों, किताबों और लोगों के मुंह से सुना है। आज-कल कई रेस्टोरेंस में कुछ नया करने के लिए खाने-पीने की चीजों के साथ नये-नये एक्सपेरिमेंट किए जाते हैं। जिसमें से एक 'पान' भी है। नये प्रयोग में पान का असली स्वरूप भी बदल दिया जाता है और चूने-कत्थे की जगह नये-नये फ्लेवर डाल दिए जाते हैं, इसी कारण जो लोग पान नहीं भी खाना पसंद करते वो एक बार ट्राय तो कर ही लेते हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में 'पान' मशहूर है और कई देशों में ऐसे पान भी है जो आपकी सेहत को अच्छा बनाने का दावा भी करते हैं। उनमें से ही एक है कोहिनूर का पान! इस पान को बनाने वाले का दावा है कि यह पान सेक्स लाइफ को बेहतर बनाता है! तो चलिए जानते हैं कि ये कैसे सेक्स लाइफ को बेहतर बानाता है-

1-औरंगाबाद के तारा पान सेंटर में मिलेगा सेक्स लाइफ बेहतर बनाने वाला 'पान'

भारत का बेशकीमती कोहिनूर हीरा भले ही अंग्रेज अपने साथ ले गये हो लेकिन भारत ने कोहिनूर नाम का टपान' बना लिया है जो पिछले 51 साल से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। शायद अंग्रेजों को पता चलता तो वह पान बनाने वाले तारा पान सेंटर के शरफू मियां को भी उठा ले जाते। शरफू मियां का दावा है कि उनका कोहिनूर पान खाकर सेक्स लाइफ बेहतर हो जाती है। यहां बेचा जाने वाला पान एक कामोत्तेजक के रूप में भी कार्य करता है।

2-कोहिनूर पान की कीमत है 5000 रुपये

आम तौर पर आप एक पान के लिए कितना भुगतान करते हैं? 10-20 रुपये सबसे आम जवाब होगा। शायद कुछ विशेष पान के लिए लगभग 100 रुपये भी आप दे सकते हैं लेकिन इससे ज्यादा पान पर कौन खर्च करता है! लेकिन पान के शौकीन लोग खर्च करते समय जेब नहीं देखते और ऐसे ही शौकीन लोगों के लिए बनाया गया है कोहिनूर पान, जो शानदार स्वाद के साथ सेहत के लिए भी है फायदेमंद। कोहिनूर पान की कीमत

5000 रुपये है।

3-कपल के लिए जोड़ी में दिया जाता है कोहिनूर पान

जैसा की पान बनाने वाले का दावा है कि कोहिनूप पान खाने से सेक्स लाइफ बेहतर होती है। इसे ध्यान में रखते हुए कपल के लिए पान के कुछ स्पेशल फर भी है जिसमें कपल को जोड़ी में पान दिया जाता है ताकि पान का मजा दोनों लोग उठा सकें।

4-विदेश जाता है भारत का कोहिनूर पान

मोहम्मद सरफुद्दीन सिद्दीकी, जो तीन दशकों से दुकान चला रहे हैं, कुवैत, सऊदी अरब और दुबई जैसे देशों में पान का निर्यात भी करते हैं।

5-कोहिनूर पान में क्या-क्या मिलाया जाता है ?

पुरुष और महिला उपभोक्ताओं के लिए पान की अलग-अलग कैटेगरी है दोनों तरह के पान में अलग-अलग चीजें मिलाई जाती हैं। नर पान में 70 लाख रुपये प्रति किलो कस्तूरी, अगर, एक तरल सुगंध शामिल है जो केवल पश्चिम बंगाल में 7 लाख रुपये प्रति किलो के मूल्य टैग के साथ मिलता है इसके अलावा 2 लाख रुपये प्रति किलो वाली केसर, 80,000 प्रति किलो गुलाब और कुछ 'गुप्त' सामग्री मिलायी जाती है। है। यह पान कोलकाता के प्रसिद्ध मीठा पान पत्ता में लपेट कर दिए जाते हैं।

6-महिलाओं के लिए स्पेशल केटेगरी

महिलाओं के लिए बनाये गये स्पेशल पान में गुलाब, सफेद मुसली, एक जड़ का उपयोग कामोद्दीपक के रूप में किया जाता है जिसकी कीमत लगभग 6,000 रुपये प्रति किलोग्राम है, केसर की कम मात्रा करके शानदार पान को पत्तों में लपेट कर दिया जाता है।

लखनऊ में कमरे में सोता रहा बेटा, बरामदे में पिता की बेरहमी से हत्या, आरोपित फरार

लखनऊ। बंथरा के गोदौली गांव में रविवार रात खेत में महिला के गले पर चाकू मार उसे अधमरा करने वाले बदमाशों का पुलिस सुराग नहीं लगा पाई थी। इस बीच गड़रियन खेड़ा गांव में किसान रामजियावन की भी सिर कूचकर हत्या कर दी गई। सोमवार सुबह घर के अंदर बरामदे में खून से लथपथ हालत में चारपाई पर रामजियावन का शव पड़ा मिला। खास बात यह है कि ठीक पीछे कमरे में रामजियावन का बेटा सो रहा था उसे पिता पर हुए हमले की भनक तक नहीं लगी। गड़रियन खेड़ा निवासी रामजियावन किसान थे। पांच साल पहले उनकी पत्नी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। उसके बाद से वह बेटे गोलू के साथ रहते थे। सोमवार सुबह रामजियावन का बरामदे में चारपाई पर खून से लथपथ शव पड़ा देख उनका बेटा चीख-पुकार कर रहा था। शोर शराबा सुनकर ग्रामीण दौड़े। सूचना पर पुलिस पहुंची। इंस्पेक्टर बंथरा धनंजय सिंह ने बताया कि गोलू से पूछताछ में पता चला कि उनके पिता बरामदे में सोए थे और वह पीछे कमरे में। सुबह गोलू ने पिता का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। रामजियावन पर रात में अथवा सुबह कब हमला हुआ है उन्हें किसने मारा है इस बारे में किसी भी जानकारी से गोलू ने इंकार किया है। अभी तक परिवारीजन ने किसी पर कोई आरोप अथवा रंजिश की बात से भी इंकार किया है। मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल से करीब 10 मीटर पर ही गोलू सोया था पर उसने कोई चीख-पुकार नहीं सुनी इस बारे में भी पड़ताल की जा रही है। कई बिंदुओं पर हत्याकांड की जांच की जा रही है। **प्रापर्टी के विवाद की गांव में चर्चा:** पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने प्रापर्टी के विवाद की बात भी बताई है। रामजियावन अपने हिस्से की कुछ जमीन बेचना चाहते थे। उसकी दो-तीन दिन में रजिस्ट्री भी होनी थी। इस बात को लेकर भी विवाद था। इंस्पेक्टर ने बताया कि जल्द ही घटना का राजफाश किया जाएगा।

भारत विश्वकप से बाहर, खाली हाथ होगी घर वापसी

टी-20 वर्ल्ड कप: अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा न्यूजीलैंड

अबूधाबी। न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 11 गेंद शेष रहते रविवार को आठ विकेट से हराकर टी 20 विश्व कप के ग्रुप दो से सेमीफाइनल में जगह बना ली जबकि न्यूजीलैंड की इस जीत के साथ भारत सेमीफाइनल की होड़ से बाहर हो गया। इस तरह विश्वकप में भारत का अभियान खत्म हो गया है और एक बार फिर टीम खाली हाथ घर वापसी करेगी। भारत सोमवार को नामीबिया से अपना आखिरी विश्व कप मुकाबला खेलेगा, लेकिन अब उसकी सारी उम्मीदें समाप्त हो चुकी हैं। नजीबुल्लाह जादरान की 48 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों से सजी 73 रन की शानदार पारी के बावजूद अफगानिस्तान टी 20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप दो के मुकाबले में 20 ओवर में आठ विकेट पर 124 रन ही बना सका।

न्यूजीलैंड ने 18.1 ओवर में दो विकेट पर 125 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल कर ली। न्यूजीलैंड 10 नवंबर को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। जादरान को छोड़ कर अन्य कोई अफगान बल्लेबाज विकेट पर नहीं टिक सका। गुलबदीन नायब ने 18 गेंदों पर एक चौके के सहारे 15 रन और कप्तान मोहम्मद नबी ने 20 गेंदों में बिना किसी बॉउंड्री के 14 रन बनाए। अफगानिस्तान की टीम अपने तीन विकेट मात्र 19 रन पर गंवाने के बाद मुकाबले में नहीं लौट सकी। जादरान ने नायब के साथ चौथे विकेट के लिए 37 रन और नबी के साथ पांचवें विकेट के लिए 59 रन जोड़े। नबी का विकेट 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा। अफगानिस्तान ने छह रन के अंतराल में तीन विकेट गंवाए जिससे उसकी एक अच्छे स्कोर पर जाने की उम्मीद टूट गयी। राशिद खान पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए मैन ऑफ द मैच ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट और टिम साउदी ने दो विकेट लिए।

टी20 में 400 विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे गेंदबाज बने राशिद खान

अफगान स्पिनर राशिद खान ने गुप्टिल को आउट करने के साथ ही इतिहास रच दिया है। वह राशिद खान का 400वां शिकार बने। राशिद खान दुनिया के चौथे गेंदबाज है जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 400 विकेट लेने का कारनामा किया है। इससे पहले ड्वेन ब्रावो (553), सुनील नरेन (425) और इमरान ताहिर टी20 क्रिकेट में 400 विकेट हासिल कर चुके हैं। राशिद खान ने मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 100 विकेट लेने की उपलब्धि अपने नाम की थी।

विलियम्सन और कॉन्वे की दीवार नहीं तोड़ पाया अफगानिस्तान

लक्ष्य ज्यादा मुश्किल नहीं था और कीवी टीम ने 18.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। अफगान स्पिनरों के पास भी इस स्कोर को बचाने का कोई मौका नहीं था। न्यूजीलैंड की तरफ से ओपनर मार्टिन गुप्टिल ने 23 गेंदों में चार चौकों के सहारे 28 रन, ओपनर डेरिल मिशेल ने 12 गेंदों में 17 रन, कप्तान केन विलियम्सन ने 42 गेंदों में तीन चौकों के सहारे नाबाद 40 और डेवोन कॉन्वे ने 32 गेंदों में चार चौकों के सहारे नाबाद 36 रन बनाए और 11 गेंद शेष रहते मैच समाप्त कर दिया। भारत की सेमीफाइनल में जाने की उम्मीदें इसी बात पर टिकी थीं कि अफगानिस्तान कीवी टीम पर जीत दर्ज करे ताकि वह नामीबिया के खिलाफ मैच में सारे समीकरण जानते हुए उतरे लेकिन न्यूजीलैंड ने भारत को उसका सपना पूरा होने का कोई मौका नहीं दिया और बड़े आराम से अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज की। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को इनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

केन विलियम्सन की कप्तानी में तीसरी बार टूटा भारत का सपना

यह लगातार तीसरा अवसर है जबकि केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने भारत की खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेरा। इससे पहले उसने वनडे वर्ल्ड कप 2019 के सेमीफाइनल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में भारत को हराया था। न्यूजीलैंड की जीत से विराट कोहली काफी निराश होंगे। बतौर टी20 कप्तान कोहली यह कोहली का आखिरी टूर्नामेंट है। लेकिन कोहली आईपीएल के बाद टी20 वर्ल्ड कप में भी खिताब जीतने में नाकाम रहे।

नामीबिया के खिलाफ अंतिम बार कप्तान और कोच के रूप में दिखेंगे विराट व शास्त्री

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और हेड कोच रवि शास्त्री की जोड़ी सोमवार (8 नवंबर 2021) को आखिरी बार एक साथ मैदान पर दिखेगी। कोहली पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह टी20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया के कप्तान नहीं रहेंगे जबकि शास्त्री का बतौर कोच कार्यकाल विश्व कप के बाद खत्म हो जाएगा। भारत और नामीबिया की टीमें आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 में सोमवार को आमने-सामने होंगी। विराट इस मैच में आखिरी बार टीम की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे वहीं शास्त्री आखिरी बार कोच के रूप में दिखेंगे। टीम इंडिया के लिए नामीबिया के खिलाफ मैच महज एक औपचारिकता है। अफगानिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म हो गई। भारत का मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। कोहली बतौर कप्तान और शास्त्री बतौर कोच लगभग 4 साल से एक साथ काम कर रहे थे। वैसे शास्त्री पहली बार टीम इंडिया के साथ 2014 में बतौर डायरेक्टर के रूप में जुड़े थे। साल 2017 में शास्त्री को टीम इंडिया का फुल टाइम कोच नियुक्त किया गया था। शास्त्री और कोहली की कप्तानी में भारत ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतना हो या फिर भारत को लगातार नंबर टेस्ट टीम बनाए रखना। टीम इंडिया विदेशी धरती पर लगातार अच्छा खेली। पहली एशियाई टीम बनी जिसने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज हराई। एक बार नहीं बल्कि दो-दो बार। भारतीय टीम के आक्रामक खेल और जीत की भूख ने क्रिकेट जानकारों को भी हैरान किया।

कोहली की कप्तानी में भारत नहीं जीत सका आईसीसी ट्रॉफी

भारत ने कोहली की कप्तानी में आईसीसी का कोई खिताब हासिल नहीं किया। साल 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में उसे पाकिस्तान से हारना पड़ा। 2019 के 50 ओवर वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने उसे मात दी। वह पहली आईसीसी टेस्ट चैंपियंस के फाइनल में भी उसे कीवी टीम ने हराया। भारत ने आखिरी बार 2013 में कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीता था। तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में फाइनल में इंग्लैंड को हराकर भारत ने टूर्नामेंट जीता था। उसके बाद से लगातार टीम इंतजार कर रही है।

टी20 विश्वकप 2022 के लिए क्वॉलीफाइंग दौर में खेलेंगे विंडीज व श्रीलंका

दुबई । बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में सीधा प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है लेकिन दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज और पूर्व विजेता श्रीलंका को अतिरिक्त क्वॉलीफाइंग दौर खेलना होगा। अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के सुपर 12 चरण के स्वतः क्वॉलीफायर मौजूदा टी20 विश्वकप के विजेता और उप विजेता के अलावा अगली छह शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें होंगी।

रैंकिंग के आधार पर शीर्ष छह टीमें इंग्लैंड, पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया हैं जिनका 15 नवंबर की समय सीमा तक इन स्थानों से नहीं खिसकना तय है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद गत चैंपियन वेस्टइंडीज आईसीसी टी20 रैंकिंग 10वें स्थान पर खिसक गया है जबकि श्रीलंका नौवें स्थान पर है। बांग्लादेश आठवें जबकि अफगानिस्तान सातवें स्थान पर है। बांग्लादेश ने सुपर 12 में अपने पांचों मुकाबले गंवाए लेकिन इसी साल घरेलू सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखलाएं जीतने के कारण टीम को रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। वेस्टइंडीज ने सुपर 12 में पांच में से चार मैच गंवाए और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में टीम सिर्फ 55 रन पर ढेर हो गई। श्रीलंका ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज को हराया लेकिन उसे इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी।

आजम व मलिक के अर्धशतकों से पाकिस्तान की लगातार पांचवीं जीत

टी-20 वर्ल्ड कप : स्कॉटलैंड को 72 रन से हराया

शारजाह । कप्तान बाबर आजम (66) व मैन ऑफ द मैच शोएब मलिक (नाबाद 54) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों से पाकिस्तान ने स्कॉटलैंड को आईसीसी टी 20 विश्व कप के ग्रुप दो में को 72 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की और सुपर 12 में अपराजित रहने वाली वह एकमात्र टीम रही। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 189 रन का विशाल स्कोर बनाया और फिर स्कॉटलैंड को छह विकेट पर 117 रन पर रोककर अपना अपराजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। पाकिस्तान इस जीत के साथ ग्रुप दो की तालिका में शीर्ष पर रहा और अब उसका सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से दुबई में 11 नवम्बर को मुकाबला होगा। मोहम्मद रिजवान 15 और फखर जमान आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। आजम ने हफीज के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। आजम टूर्नामेंट में लगातार चौथा अर्धशतक बनाकर टीम के 142 के स्कोर पर आउट हुए। आजम ने 47 गेंदों पर 66 रन बनाए। मलिक ने मात्र 18 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और भारत के लोकेश राहुल की बराबरी की। यह टी 20 विश्व कप में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक था। मलिक ने 18 गेंदों पर नाबाद 54 रन में एक चौका और छह छक्के लगाए। स्कॉटलैंड की तरफ से ग्रीव्स ने 43 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि हम्जा ताहिर को एक विकेट और शरीफ को एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड के लिए रिची बेरिंग्टन ने सर्वाधिक 54 रन की पारी खेली। जॉर्ज मेंसी 17 रन, माइकल लीस्क 14 रन और कप्तान कोएत्जर ने 9 रन का योगदान दिया।

टी-20 में एक साल में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रिजवान: पाकिस्तान टीम के विकेटकीपर रिजवान ने स्कॉटलैंड के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 15 रन बनाकर आउट हुए। बावजूद इसके वह एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी-20 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के छह साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। रिजवान इस साल अब तक 1666 रन बना चुके हैं। जबकि गेल ने 2015 में 1665 रन बनाए थे। रिजवान के पास अब एक साल में 1700 टी-20 रन बनाने का मौका है और अगर वह इसे हासिल कर लेते हैं तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले और इकलौते क्रिकेटर बन जाएंगे।

रेनेगेड्स व ब्रिस्बेन हीट की जीत में चमकीं हरमनप्रीत, जेमिमाह व पूनम

होबार्ट के लिए खेलते हुए शून्य पर आउट हुई ऋचा

मेलबर्न। जेमिमाह रॉड्रिग्स के 45 रन और हरमनप्रीत कौर के तीन विकेट की मदद से मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स को सात विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्टार्स की टीम रेनेगेड्स की स्पिन जोड़ी सोफी मोलिन्यू और हरमनप्रीत के सामने टिक ही नहीं सकी और निर्धारित 20 ओवरों में सिर्फ 103 रन ही बना पाई।

दूसरे ओवर में ही हरमनप्रीत ने एलिस विलानी को बैकवर्ड प्वाइंट पर जेमिमा के हाथों लपकवाया। मेग लानिंग भी सिर्फ 17 रन ही बना सकी। नौ ओवर में स्टार्स का स्कोर 41 रन पर चार विकेट था। इसके बाद किम गार्थ (32) और एरिन ऑस्बोर्न (29) ने धीमे चाल में पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसके बाद फिर स्टार्स की पारी भरभरा के गिर पड़ी। मोलिन्यू और हरमनप्रीत ने मिलकर पारी के आखिरी चार विकेट लिए। पारी की आखिरी गेंद पर हरमन ने एक रन आउट कर टीम हैट्रिक भी पूरी की। इससे पहले वह लगातार दो गेंदों पर दो विकेट ले चुकी थीं।104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेनेगेड्स के लिए भी शुरुआत कुछ खास नहीं रही। ईव जोंस शून्य पर आउट होकर चलती बनीं। लेकिन इसके बाद रॉड्रिग्स (45) और कार्ली लीसन (41) ने दूसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़कर जीत को आसान बना दिया। हालांकि जीत से पहले ही दोनों ग्राथ का शिकार हो गईं। इसके बाद आईं हरमनप्रीत ने नौ गेंदों पर 12 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले भारतीय लेग स्पिनर पूनम यादव का जलवा देखने को मिला। इस मैच में पूनम की टीम ब्रिस्बेन हीट ने सिडनी थंडर को पांच विकेट से हरा दिया। दिन का अंतिम मुकाबला होबार्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉचर्स के बीच हुआ, जिसमें होबार्ट की टीम के लिए खेलते हुए भारतीय बल्लेबाज ऋचा घोष सिर्फ शून्य पर आउट हो गईं। उनकी टीम भी निर्धारित 20 ओवरों में सभी विकेट खोकर सिर्फ 96 रन ही बना सकी। पर्थ ने 15.3 ओवर में पांच विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मनिका- अर्चना कामथ ने जीता लास्को युगल खिताब

मेलिनी डियाज और एड्रियाना डियाज को 11-3, 11-8, 12-10 से हराया

लास्को। भारत की मनिका बत्रा और अर्चना कामथ ने डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लास्को टेबल टेनिस टूर्नामेंट में रविवार को यहां महिला युगल का खिताब जीता। विश्व की 36वें नंबर की जोड़ी ने प्यूर्टोरिको की विश्व में 23वें नंबर की मेलिनी डियाज और एड्रियाना डियाज को 11-3, 11-8, 12-10 से हराया। भारतीय जोड़ी ने चार मैच प्वाइंट बचाकर खिताब जीता। मनिका ने शनिवार को सेमीफाइनल में चीन की लियु वीशान और वांग इदी को हराया था। मनिका ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी।

महिला एकल में मनिका बत्रा ने जीता कांस्य

लास्को में खेले जा रहे डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने महिला एकल में कांस्य पदक जीत लिया। सेमीफाइनल मैच में उन्हें चीन की वैंग यिडी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। जिसके चलते उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने मनिका को 2-4 से हराया। टोक्यो ओलंपिक के बाद विवादों में रहीं मनिका का यह पहला खिताब है। चीनी खिलाड़ी ने 2-4 से दर्ज की जीत सेमीफाइनल मैच में मनिका को चीन की वैंग यिडी ने 2-4 से हराया।

पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर सुनीत घोष का निधन

कोलकाता। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अंपायर सुनीत कुमार घोष का यहां रविवार को निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार थे। उनके दो बेटे हैं। उल्लेखनीय है कि उन्होंने दो टेस्ट मैचों और सात वनडे मैचों में अंपायरिंग की। उन्हें मैदान में बिल्टू दा के तौर पर याद किया जाता है। उन्होंने भैरब गंगोपाध्याय के साथ एक यादगार जोड़ी बनाई थी। 2016 में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के वार्षिक पुरस्कार दिवस के दौरान उन्हें एक स्मारक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सीएबी के अध्यक्ष अभिषेक डालमिया ने उनके निधन पर कहा, यह एक दुखद दिन है। क्रिकेट के लिए उनकी सेवाओं को हमेशा याद किया जाएगा। एसोसिएशन की ओर से मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

लवलीना के खिलाफ अरुंधति का ट्रायल अनुरोध खारिज

नई दिल्ली। लंबे समय से राष्ट्रीय युवा टीम के कोच के तौर पर काम कर रहे भास्कर भट का विश्व चैंपियनशिप से पहले सीनियर महिला मुक्केबाजी का मुख्य कोच बनना लगभग तय है, तो वहीं ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण विजेता अरुंधति चौधरी द्वारा ट्रायल के अनुरोध को खारिज कर दिया गया। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कालिता ने कहा कि लवलीना को 70 किग्रा वर्ग में सीधे प्रवेश देने के निर्णय पर फिर से विचार नहीं किया जायेगा। इससे पहले अरुंधति ने एक खुला पत्र जारी कर खेल की निष्पक्षता बनाए रखने और हर बार खुद को साबित करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए ट्रायल की मांग की थी। कालिता ने कहा, महिला विश्व चैंपियनशिप के लिए कोई ट्रायल नहीं होगा। जैसा कि सितंबर में कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान तय किया गया था, लवलीना के वर्ग को छोड़ कर हर वर्ग के राष्ट्रीय चैंपियन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा, लवलीना को सीधे प्रवेश देने का निर्णय उनके टोक्यो ओलंपिक प्रदर्शन पर आधारित था। इसे बदला नहीं जायेगा। महिला विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दिसंबर में इस्तांबुल में होगा। प्रतियोगिता की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। चौबीस साल की बोरगोहेन इस स्पर्धा की दो बार की कांस्य पदक विजेता हैं, जबकि 19 वर्षीय अरुंधति ने इस साल की शुरुआत में युवा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। लंबे समय से राष्ट्रीय युवा कोच के तौर पर कार्यरत भट को सीनियर महिला टीम के शिविर का प्रभार दिया जाना तय है क्योंकि बीएफआई ने हाई परफार्मेंस निदेशक राफेल बर्गमास्को और मुख्य कोच मोहम्मद अली कमर के अनुबंधों को आगे नहीं बढ़ाया है।

लक्ष्य सेन और श्रीकांत सेमीफाइनल में हारे, भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रकेन । भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन का हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का सफर समाप्त हो चुका है। दोनों खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज लक्ष्य को शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में सिंगापुर के लोह कीन यू ने 21-18, 21-12 से हराया। जबकि श्रीकांत को मलयेशिया के ली जी जिया के हाथों 19-21, 20-22 से शिकस्त मिली। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज लोह ने इस साल तीन मुकाबलों में दूसरी बार लक्ष्य को शिकस्त दी। 20 वर्षीय लक्ष्य ने इससे पहले शुक्रवार रात को थाईलैंड के कुंलावुत विदितसर्न को तीन गेम के मुकाबले में हराकर अंतिम चार में जगह पक्की की थी। लक्ष्य ने तीन बार के जूनियर विश्व चैंपियन विदितसर्न पर 21-18, 12-21, 21-19 से जीत दर्ज की। लक्ष्य ने एक साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी किया था।

भारतीय क्यूरेटर मोहन सिंह की संदिग्ध हालत में मौत

अबूधाबी। अबूधाबी के शेख जायद क्रिकेट ग्राउंड की पिच बनाने वाले भारतीय क्यूरेटर मोहन सिंह की यहां रविवार सुबह संदिग्ध हालत में मौत की खबर सामने आई है। समझा जाता है कि मोहन, जो पहले चंडीगढ़ के मोहाली स्टेडियम से जुड़े थे, की मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है, लेकिन स्थानीय पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। अबूधाबी क्रिकेट अधिकारियों ने मोहन की मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि मोहन के परिवार को सूचित कर दिया गया है और वे अबूधाबी आ रहे हैं। यह खबर तब भी सामने आई है जब अबूधाबी के मैदान पर अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच चल रहा है। आईसीसी की ओर से मामले में तुरंत कोई टिप्पणी नहीं आई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आईसीसी ने टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय मूल के क्यूरेटर की सेवाओं का इस्तेमाल किया था। समझा जाता है कि आईसीसी अबूधाबी के शेख जायद स्टेडियम के ग्राउंड स्टाफ के साथ जुड़ा हुआ है।

अहमदाबाद के कोच बन सकते हैं रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मौजूदा कोच रवि शास्त्री टीम इंडिया के बाद आईपीएल टीम अहमदाबाद के कोच बन सकते हैं। अहमदाबाद शास्त्री के अलावा गेंदबाजी कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर को भी अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल करना चाहती है। इसी साल अक्तूबर के महीने में हुई नीलामी में सीवीसी कैपिटल्स ने अहमदाबाद की फ्रेंचाइजी खरीदी थी। उन्होंने अब अपनी टीम बनाने की पहल भी शुरू कर दी है। हालांकि शास्त्री ने अभी इस मामले में कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने वर्ल्डकप खत्म होने तक का समय मांगा है। रवि शास्त्री आईपीएल टीम की कोचिंग करने के लिए तैयार हैं।

अहम मैच से पहले अफगानिस्तान टीम के अधिकारी का बड़ा बयान, कहा- टीम पर नहीं है कोई बाहरी दबाव

रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच में अफगानिस्तान अपना आखिरी लीग मैच न्यूजीलैंड के साथ खेलने जा रही है। इस मैच से न केवल अफगानिस्तान बल्कि करोड़ों भारतीय की उम्मीदें टिकी हुई है। बता दें कि इस मैच में सभी अफगानिस्तान की जीत की दुआ कर रहे है। न्यूजीलैंड के जीतने पर भारत के लिये सेमीफाइनल के दरवाजे बंद हो जायेंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के आठ अंक हो जायेंगे और आखिरी मैच जीतकर भी भारत उतने अंक हासिल नहीं कर सकेगा। वहीं, अफगानिस्तान की जीत से उसको सेमीफाइनल की रेस में बनाए रखेगी।इसी बीच, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मीडिया मैनेजर को एक बयान जारी कर कहा की इस मैच में टीम के उपर कोई बाहरी दबाव नहीं बना हुआ है।अफगानिस्तान के मीडिया मैनेजर अब्दुल्ला खान पख्तनी ने कहा कि, अफगानिस्तान की टीम पर कोई बाहरी दबाव नहीं है और वह स्थिति तो वैसे ही लेकर चलेंगे जैसे उनके सामने पेश होगी। सुपर 12 के अपने अंतिम ग्रुप मैच में रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान खड़ा होगा। अफगानिस्तान अगर न्यूजीलैंड को हरा देता है तो उसकी मामूली उम्मीदें बनी रहेंगी जबकि भारत की संभावना प्रबल हो जायेगा जिसे आखिरी मैच अच्छे अंतर से जीतना होगा। पख्तनी ने टूर्नामेंट के अहम मैच से पहले एएनआइ को बताया कि, हम पर कोई बाहरी दबाव नहीं है, हम इसे अन्य खेल की ही तरह खेलेंगे और स्थिति के अनुसार अपनी योजना बनाएंगे।

बुंदेसलीगा: लेवानडोवस्की ने दागा साल का 60वां गोल

बायर्न म्यूनिख ने एससी फ्राइबुर्ख को 2-1 से हराया

म्यूनिख। रॉबर्ट लेवानडोवस्की के साल के 60वें गोल की मदद से शीर्ष पर चल रहे बायर्न म्यूनिख ने बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में अजेय चल रहे एससी फ्राइबुर्ख को 2-1 से हराया।

लेवानडोवस्की ने 76वें मिनट में लेरॉय सेन के शॉट पर रिबाउंड होकर आई गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। लेवानडोवस्की ने 2021 में 60 गोल में से 51 बायर्न के लिए किए हैं जबकि नौ गोल पोलैंड के लिए दागे। लेवानडोवस्की ने बुंदेसलीगा में एक सत्र में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने 2020-21 सत्र में 41 गोल दागे। बायर्न को 30वें मिनट में लियोन गोरेट्ज्का ने बढ़त दिलाई थी। उन्हें दूसरे हाफ में भी गोल करने का मौका मिला लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। यानिक हाबरर ने एससी फ्राइबुर्ख के लिए मैच का एकमात्र गोल इंजरी टाइम में दागा जो सभी प्रतियोगिताओं में बायर्न के खिलाफ चार मैचों में 10वां गोल है।

जुवेंट्स ने फायोरेंटिना को 1-0 से हराया

मिलान। स्थानापन्न खिलाड़ी युआन कुआड्रेडो के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत जुवेंट्स ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे फायोरेंटिना को 1-0 से हराकर सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में तीन मैचों के बाद जीत दर्ज की। कुआड्रेडो ने मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पहले मिनट में किया। इस जीत के बावजूद जुवेंट्स की टीम 12 मैचों में 18 अंक के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर चल रही है।

सेल्टा विगो ने बार्सीलोना को ड्रॉ पर रोका

बार्सीलोना। बार्सीलोना को मध्यांतर तक तीन गोल की बढ़त बनाने के बावजूद शनिवार को यहां ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में सेल्टा विगो ने 3-3 से ड्रॉ पर रोका दिया। बार्सीलोना के इस प्रदर्शन से भावी कोच जावी हर्नांडेज काफी निराश होंगे। कार्यवाहक कोच सेर्गी बारजुआन के मार्गदर्शन में खेल रही बार्सीलोना ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन की बदौलत 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी।

अरसे से बीमार पड़ोसी, अच्छा भी हो सकता है- श्री जगराम यादव स्मृति कवि सम्मेलन मुशायरा

प्रखर मनिहारी गाजीपुर। स्थानीय क्षेत्र के चौकड़ी में आयोजित कवि सम्मेलन-मुशायरा में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया में राजनीति शास्त्र के विभागाध्यक्ष डाक्टर सानन्द कुमार सिंह ने कहा है कि श्री जगराम यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित कवि सम्मेलन मुशायरा केवल श्रद्धांजलि सभा नहीं है, एक नई परम्परा है, एक नई दिशा है जिसे अपनाकर समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि पिछले साल इसी अवसर पर यहाँ पौधरोपड़ हुआ था, आज उसी स्थल पर हो रहे कविसम्मेलन और मुशायरा हो रहा है। इस नई परम्परा की जितनी भी तारीफ की जाए कम है। सोमवार को चौकड़ी, चौरा, गाजीपुर में आयोजित श्री जगराम यादव स्मृति कवि सम्मेलन मुशायरा में बतौर मुख्यअतिथि श्री जगराम यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डाक्टर सानन्द कुमार सिंह ने कहा कि कविता वैदिक काल से हमारे गौरव मयी इतिहास की साक्षी है। यह प्रेरणा परम्परा जिन्दा रही तो हमारे वर्तमान की भी गवाह रहेगी। कार्यक्रम के संरक्षक मुख्यअतिथि जंगीपुर के विधायक डा. वीरेंद्र यादव ने कहा कि कविता इस देश की आत्मा है। कविता मर गई तो इस देश की आत्मा मर जाएगी। इसलिए हम सभी लोगों का दायित्व की कविता को जिन्दा रखे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित डाक्टर संतोष सिंह यादव, डाक्टर दिलीप कुमार गौतम, डाक्टर एम खालिद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव ने कविसम्मेलन मुशायरा में आए लोगों से अपील की कि वह इस नई परम्परा को अपनाएं और अपना, अपनी पत्नी, अपने बच्चे का साल गिरह मनाने के साथ माता पिता की स्मृति में इस तरह का कार्यक्रम करें और कराएं। कविसम्मेलन की अध्यक्षता जनकवि धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव और संचालन श्री गौरीशंकर पाण्डे सरस किया। इस अवसर पर सर्वश्री श्रीमती रंजना राय, विजय कुमार मधुरेश, दिनेश चन्द शर्मा, शंकर यादव निर्भय, विनय विश्वात्मा, पंकज प्रखर और नागेश सांडिल्य आदि ने अपने काव्य पाठ से जमकर वाहवाही लूटी।

इस अवसर पर जनकवि धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव की गजल का,

"तुमसे मतलब नहीं है कोई,
लेकिन तुम भी दुआ करो।
अरसे से बीमार पड़ोसी, अच्छा भी हो सकता है।।
"आईल करोना सबकुछ सत्यानाश हो गईल ।
बिना दिहले परीक्षा पप्पू पास हो गईल" खूब तालियां मिली।

कार्यक्रम के संयोजक रमेश यादव ने स्मृति समारोह में आए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छठ पर्व को लेकर तैयारियों में जुटा नगर पंचायत

मधुबन, मऊ। आगामी 10 नवम्बर को सम्पन्न होंने वाले छठ पर्व को लेकर नगर पंचायत अपनें तैयारियों में जुट गया है। जिसका शनिवार को जायजा लेते हुए चेयरमैन प्रतिनिधि शंकर मद्धेशिया ने मातहतों को आवश्यक निर्देश दिए। हर साल

की भांति इस साल भी नगर पंचायत स्थित 13 जलाशयों पर छठ पर्व का आयोजन सुनिश्चित है। जहां जलाशयों की सफाई, रोशनी की व्यवस्था, आगन्तुकों के लिए स्टाल, लोक गायन के लिए सजने वालें मंच, सूर्य देव के पूजन के लिए बनाए जा रहे पूजन स्थल के निर्माण की कवायद में नगर पंचायत लगा है। नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि शंकर मद्धेशिया अपनें अध्यात्मिक मान्यताओं को समेटे उफरौली स्थित दुधिया पोखरे पर जहाँ हर साल हजारों की संख्या में भगवान भाष्कर के पूजा अर्चना के लिए ब्रती महिलाएं इकठ्ठा होती हैं जहां पहुंचकर व्यवस्थाओं का हाल जाना। साथ ही हिराजपट्टी, आदर्श नगर छपराभंगी, उसुरी पोखरा, खीरीकोठा, गांगेबीर, ककराडीह आदि जलाशयों पर पहुंचकर नगर पंचायत द्वारा छठ पर्व पर की जा रही तैयारियों का हाल जाना। तथा सफाई कर्मचारियों को साफ सफाई, रोशनी, स्टाल, गायन आदि के संबंध में समुचित व्यवस्था करनें के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभासद विनोद कुमार मद्धेशिया, पीयूष मद्धेशिया, बलवंत चैधरी, मिश्री लाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में कोदोपुर के लोग पहुंचे पावर हाउस

प्रखर रामनगर वाराणसी। धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में कोदोपुर के लोग पहुंचे पावर हाउस कटे हुए तारों और बॉक्स लगा कर तारो को आगे की तरफ बढ़ाने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को उचित करवाई करने के लिए निवेदन किया गया कहा गया कि हो सकता है बड़ा घटना तार का जाल फैल गया है और साथ में ही चेतावनी भी दी गई,अगर जल्द उचित कार्रवाई नहीं किया जाता हैं तो जन आंदोलन करने पर विवश होंगे साथ में विकाश, रोहित, अरुन, साधु, अमन, अभिषेक, सूचित, दिनेश, प्रिंस, अजय, मनीष आदि लोग उपस्थित थे।

प्राइमरी विद्यालय सेकंड में सरेआम सरकार के आदेशों की उड़ाई जा रही धज्जियां, जिम्मेदार बेखबर

प्रखर बिंद्रा बाजार /आजमगढ़। विकासखंड मोहम्मदपुर के क्षेत्र में रानीपुर रजमो मां अग्वानी मंदिर के पास प्राइमरी विद्यालय सेकंड में सरकार के सभी सुविधाओं का खुलेआम उड़ाई जा रही है धज्जियां प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राइमरी विद्यालय रानीपुर रजमों सेकंड में बना शौचालय बन्द पाया गया व जब प्रधानाध्यापिका ने जब मौके पर शौचालय का ताला खोला तो अन्दर तमाम गन्दगी पाई गई । और वास वेशन में हाथ धुलने के लिए आठ नल लगाए गए है । लेकिन आठ के आठो नलों में से किसी भी नल में टुटी नहीं लगी है। जहां प्रदेश की सरकार प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति सुधारने में लगी हुई है वही विद्यालय प्रांगण में काफी गन्दगी देखने को मिला। विद्यालय का हाल देखने के बाद प्रधानाध्यापिका की विद्यालय के प्रति घोर लापरवाही कहीं जा सकती है।

तीन सूत्रीय मांग को लेकर सहकारी समिति संघ ने प्रदर्शन कर दिया धरना

प्रखर जौनपुर। जिले के खेतासराय में सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने तीन सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलित है।सोमवार को क्षेत्रीय सहकारी समिति पर जोरदार प्रदर्शन कर कर्मचारियों ने आवाज बुलंद की।कार्य बहिष्कार कर तालाबंदी का उनका सातवा दिन है। धरना को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश सिंह ने कहा कि सरकार कर्मचारियों का शोषण कर रही है, उनके हक पर डाका डाला जा रहा है।कर्मचारी इसे किसी कीमत बर्दाश्त नही करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है पैक्स समितियों के सचिव सहित अन्य कर्मचारियों को नियमित वेतन हेतु वित्तीय सहायता,सहायक विकास अधिकारी के पद पर प्रमोशन और वरिष्ठता के आधार पर समायोजित करना। कर्मचारियों ने एक स्वर में आवाज बुलन्द करते हुए कहा कि हमारी मांगें पूरी होने तक तालाबन्दी और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संगठन मंत्री विजय प्रकाश सिंह,सचिव दीपक सिंह, हीरा लाल यादव,अवधेश बिन्द, रजनीश कुमार सिंह,सुरेश,कन्हयालाल,सर्वेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

नाजायज गांजा सहित पांच नफर अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर चंदवक जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर संजय कुमार एवं क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी के निकट पर्यवेक्षण में तलाश वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में कार्यवाही करते हुए सोमवार को थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में चंदवक पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त बुतरू खरवार पुत्र रामअशीष खरवार निवासी धरहरा थाना भोजपुर विहार को राहुल पुत्र मंगल खरवार अक्षय पुत्र बबलू खरवार बेताब पुत्र बिजली खरवार गोरख पुत्र राम अशीष खरवार जिला भोजपुर थाना बिलीया 750 ग्राम नाजायज गांजा सहित हिसामपुर के हरिजन बस्ती में पीपल के पेड़ के पास से दोपहर को गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

समाधान दिवस पर जिलाधिकारी ने सुनी समस्या

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शाहगंज के मंडी परिसर में संपूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। यहाँ कुल 57 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 12 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष शिकायतों को जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को प्रेषित करते हुए जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कोई भी शिकायत लंबित न रहे। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अजय साहनी, उपजिलाधिकारी शाहगंज नितिश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी बी.बी सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोरोना से बचाव को अब भी दूसरों का रखें ख्याल, लगाएं मास्क

आजमगढ़। अभी भी हर कोई हर कदम पर कोरोना को लेकर पूरी सावधानी बरते। कोविड टीकाकरण नहीं कराएं हैं तो खुद के साथ घर-परिवार को सुरक्षित बनाने के लिए जल्द से जल्द टीका अवश्य लगवा लें । पहली डोज लग चुकी है और दूसरी डोज का समय आ गया है तो उसे नजरंदाज न करके समय से लगवा लें। क्योंकि कोरोना से बचने के लिए दोनों डोज का लगना बहुत जरूरी है। यह कहना है मंडलीय जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फीजीशियन डा. राजनाथ का। उन्होंने बताया कि हर किसी को यह याद रखना है किअभी कोरोना पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसलिए इन प्रमुख त्योहारों की खुशियां हमेशा हमेशा के लिए बरकरार रखने के लिए उन जरूरी बातों का जरूर ख्याल रखें जो कोरोना से सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक हैं।

आकाश से होगी मूर्ति विसर्जन की निगरानी, पुलिस ने किया पूर्वाभ्यास

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के तीन चिन्हित मूर्ति विसर्जन स्थलों की तैयारियों को लेकर शनिवार की संध्या 4 बजे पुलिस प्रशासन ने ड्रोन कैमरे से जायजा लिया। अधिकारियों ने चप्पे चप्पे पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया। ऐतिहासिक लक्ष्मी पूजा कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराना प्रशासन के लिए चुनौती है। कहीं से कोई चूक न रह जाए प्रशासन काफी सतर्कता बरत रहा है। इसी मद्देनजर को देखते हुए जिले के आला अधिकारियों की की नजर अतिसंवेदनशील गांव खैराबाद प्रतिमा विसर्जन पर टिकी हुई हैं। पुलिस सीओ राजकुमार सिंह एवं कोतवाल शैलेश सिंह के नेतृत्व में खैराबाद गांव में ड्रोन कैमरा से सर्वे किया गया। इसे देखने के लिए ग्रामीणों की काफी भीड़ जुटी रही। घंटो चले कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना रहा। पुलिसकर्मियों की दर्जनों संख्या देख कर लोग एक दूसरे से घटना के बाबत जानकारी पूछते रहे। कैमरा सर्वे से पूर्व चैकी प्रभारी ओम सिंह ने चैकी परिसर में अपनी चैकी अंतर्गत गांव में स्थापित लक्ष्मी प्रतिमा आयोजकों की एक बैठक लिया जिसमें बताया कि विसर्जन के दिन ज्यादा ऊंचाई पर डीजे साउंड

ज्यादह ऊंचाई तक न बांधे। जिससे कि कोई अनहोनी घटना घटित हो सके। नशीली पदार्थों का सेवन कदापि न करें।

आम आदमी दो वक्त की रोटी के लिए परेशान हैं- धर्मप्रकाश यादव

मऊ। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को कार्यालय सभागार में शनिवार को जिलाध्यक्ष धर्मप्रकाश यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, प्रदेश और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और उत्तर प्रदेश में 2022 में फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष धर्मप्रकाश यादव ने सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि आज देश और प्रदेश में बीजेपी की गलत नीतियों के चलते न सिर्फ आपसी भाईचारा बिगड़ा है बल्कि सरकार हर मुद्दों पर फेल हुई। महंगाई अपने चरम पर है, बेरोजगारी से देश की आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई है। आम आदमी दो वक्त की रोटी के लिए परेशान हैं, नौकरियां छीनी जा रही है, रोजगार के अवसर पैदा नहीं होने दिया जा रहा है। ऐसे में लोगों की उम्मीद उत्तर प्रदेश में अखिलेश

यादव को दुबारा मुख्यमंत्री बनाने की है। नए पदाधिकारियों को इस मिशन में मुस्तैदी से लगने का आह्वान किया। सभी विधान सभाध्यक्षों को यथाशीघ्र कमेटी गठित करने के बाद सेक्टर और बूथ की कमेटियों को दुरुस्त करने को कहा। इसके लिए सभी को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का सहयोग भी लेने का सुझाव दिया। इसके अलावा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित तिथियों पर सभी नेताओं, पार्टी के बूथ और सेक्टर अध्यक्षों से निवेदन किया कि वह उपस्थित होकर अधिक से अधिक नाम बढ़ाएं और फर्जी वोटरों को हटवाने का कार्य करें। कहाकि बीजेपी सरकार अंतिम समय में वोटर लिस्ट से नाम चिन्हित कर कटवाने का कार्य कर रही है इसलिए बूथ के साथी चैकन्ना रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अबुबकर अंसारी अपने सैकड़ों साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता लिए।

पुविवि: दो दिवसीय संगोष्ठी का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

प्रखर जौनपुर (संवाददाता मोहम्मद अरशद)। बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर एवं एडुस्टफ यू०पी० के तत्वावधान में दो दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी स्फुरण का आयोजन पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में किया गया है। जिसका मुख्य विषय शिक्षकों के नवाचारी प्रयास एवं बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। एडुस्टफ समूह की सह-संयोजक श्रीमती सविता सिंह द्वारा सुमधुर सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल द्वारा जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया एवं सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकगणों को संबोधित करते हुए कहा कि सदैव सकारात्मक रहें, नकारात्मकता को दूर करें, कल्पनाशीलता बढ़ायें, आदर्श शिक्षक बनें। एडुस्टफ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कि ऐसे समूह शिक्षा को नये आयाम तक ले जाएंगे। संचालन करते हुए धीरज सिंह सह-संयोजक एडुस्टफ ने बताया कि जिलाधिकारी के द्वारा हैप्पी पैरेन्टिंग, रक्तदान, महिला कक्षा आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य किये गए है जो अनुकरणीय है। जिलाधिकारी ने प्रीति श्रीवास्तव

व उनकी एडुस्टफ टीम की सराहना करते हुए कहा कि इनके द्वारा बेसिक शिक्षा में नवाचार किया जा रहा है, इसके लिए सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों के कार्य सराहनीय है। आज के विषय ह्यशिक्षकों के नवाचार एवं बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकासह्न विषय को सकारात्मक बताया और कहा कि छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करें। छात्रों के सबसे पहले गुरु मां-बाप तो अवश्य होते ही हैं किन्तु शिक्षक इस प्रकार छात्रों में नैतिक मूल्यों का विस्तार करें जिससे भविष्य में छात्र अपने जीवन में अच्छे नागरिक बन पाएं। विशिष्ठ अतिथि पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी ने एडुस्टफ की सराहना की। विभिन्न जनपदों से आये चयनित शिक्षकों ने अपने नवाचारी प्रयास की पीपीटी प्रस्तुत की जिन्हें उपस्थित शिक्षकों द्वारा सराहा एवं स्वीकार भी किया गया। कार्यक्रम के बीच बीच मे शिक्षकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। अतिथियो द्वारा टीम एडुस्टफ के नवाचारी प्रयास एवं कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई, संयोजिका श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सविता सिंह, रेनू जायसवाल नेशनल अवार्डी सर्वेष्ट मिश्रा, अशोक गुप्ता, आशिया फारुखी, राजू सिंह, सै मो मुस्तफा, बीइओ अविनाश सिंह, संजय यादव, राजीव कुमार यादव, एसपी सिंह, समेत सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी एवम डीसी सहित सैकड़ों नवाचारी शिक्षक उपस्थित रहे।

एसडीएम व थानाध्यक्ष ने किया मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण

चिरैयाकोट, मऊ। स्थानीय नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थापित लक्ष्मी पूजा समिति द्वारा स्थानीय थाना क्षेत्र में लगभग 40 मूर्तियां स्थापित किया गया था। जिनके विसर्जन के स्थान का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे नवागत उपजिलाधिकारी मनोज कुमार तिवारी और स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने विसर्जन के स्थानों का निरीक्षण किया। और उन्होंने ने मंगई नदी पुल, असलपुर भैसही नदी पुल और उसके बाद सुहवल भैसही नदी पुल के आसपास के स्थानों का भलिभाति निरीक्षण करने के बाद उन्होंने ने बताया कि मुर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी समिति द्वारा छोटे बच्चों को लेकर नदी पर नहीं जायेंगे और सभी नदी पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था

करने के लिए निर्देश दिया। वहीं मगई नदी स्थानीय नगर पंचायत प्रशासन को आदेश दिया गया है कि वहां पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था नगर पंचायत चिरैयाकोट को दिया गया है। और उसी के साथ भैसही नदी के दोनों नदी के पुलों पर बैरिकेडिंग करने का निर्देश वहां के ग्रामप्रधान को दिया गया है। वहीं शुक्रवार को 4 मुर्तियों का विसर्जन किया गया आज शनिवार को 8 मुर्तियों का विसर्जन किया जायेगा। उसके बाद लगभग सभी मुर्तियों का विसर्जन 8 अक्टूबर को किया जायेगा। इस मौके पर उपस्थित राजस्व निरीक्षक विजय सिंह, लेखपाल विनोद कुमार गिरि, मदन, नगर पंचायत लिपिक सतेन्द्र कुमार, आशुतोष पाण्डेय, का0 गोकर्ण यादव, चालक ओम प्रकाश राय, अर्दली सुभाष आदि लोग मौजूद रहे।

हत्या करने पहुंचे दारोगा के तीन शूटर गिरफ्तार

रानी की सराय (आजमगढ़)। रानी की सराय थाना क्षेत्र के अल्लीपुर गांव स्थित डीह स्थान से पुलिस ने तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया। शूटरों के पास से तमंचा, कारतूस, अपाचे वाहन और उस व्यक्ति की फोटो बरामद की गई, जिसकी हत्या के इरादे से आए थे। बदमाशों ने बताया कि अल्लीपुर निवासी एवं गोंडा में तैनात दारोगा ने उन्हें एक व्यक्ति की हत्या के लिए 20 हजार की सुपारी दी थी।पुलिस ने बदमाशों के साथ ही हत्या की सुपारी देने वाले दारोगा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई में जुटी है। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि हम लोग अल्लीपुर गांव के रहने वाले एवं कौड़िया (गोंडा) में तैनात दारोगा अखिलेश यादव के कहने पर अल्लीपुर गांव के रोहित की हत्या करने आए थे। इसके लिए दारोगा ने 20 हजार रुपये दिए थे, जिससे तमंचा व कारतूस की व्यवस्था की गई थी। पकड़े गए शूटरों में दीनानाथ यादव, डफली यादव, देवेंद्र नाथ यादव गोंडा जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के तुलसीपुर माझा (पूरे अर्जुन) गांव के निवासी हैं। दीनानाथ पर गोंडा जिले में पहले से तीन मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस कप्तान ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 15 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। हत्या की सुपारी देने वाले आरोपित दारोगा के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गोंडा में तैनात जिस दारोगा पर हत्या की सुपारी देने का आरोप है उसके छोटे भाई व प्रधान रहे राजेश यादव की साल भर पहले हत्या कर दी गई थी। उस घटना में रोहित को भी आरोपित बनाया गया था। कुछ दिन पहले रोहित जमानत पर छूटकर आया हैं। पुलिस ने सुपारी देने वाले दारोगा को भी दबोच लिया। उस समय वह भागने की फिराक में चेकपोस्ट पर मौजूद था।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। शनिवार को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान मुंशीपुरा से मु0अ0सं0 439/21 धारा 308,323,504,506 भादवि0 में वांछित अभियुक्तगण सुनिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार पुत्रगण झिन्नू निवासीगण मुंशीपुरा कालीचैरा थाना कोतवाली जनपद मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान जमकर उड़े अबीर-गुलाल

आजमगढ़। दीपावली के बाद भइया दूज के दिन लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं का देर रात तक विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने जमकर अबीर-गुलाल उड़ाए और गणेश-लक्ष्मी के जयकारे से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। विसर्जन के दौरान प्रतिमा के दर्शन के लिए लोग घरों के दरवाजों पर खड़े नजर आए। नगर पंचायत माहुल में स्थापित लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन से पहले पंडालों में हवन-पूजन किया गया। इस दौरान गणेश एवं लक्ष्मीजी के जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। शाम को विसर्जन यात्रा निकाली गई। युवा डीजे की धुनपर जमकर डांस किए। रास्ते भर प्रसाद स्वरूप हलवा का वितरण किया गया। विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रतिमाओं को ओंगरी नदी किनारे विसर्जित किया गया। कस्बे में स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन गाजे-बाजे के साथ शनिवार की रात रानी पोखरे में किया गया।इस दौरान सुरक्षा के लिए पीएसी तैनात रही। डीजे की धुन पर बच्चे थिरकते रहे।

इन्दू प्रकाश पॉलीटेक्निक एवं फार्मेसी कालेज में धूमधाम से मनाया गया भाई दूज पर्व

मऊ। जिले के हलधरपुर स्थित इन्दू प्रकाश पॉलीटेक्निक एवं फार्मेसी कालेज में कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष कि द्वितीय तिथि के दिन भाई दूज और यम द्वितिय का पर्व मनाया गया। इसीदिन कायस्थ कुल इष्ट श्री चित्रगुप्त की पूजा की गई और कलम दवात का भी पूजा किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रबन्धक अखिलेश राय, प्रधानाचार्य मो0 असजद कमाल ने कलम दवात के बारे में जानकारी दी। इस दौरान अखिलेश सिंह, सतवन्त रवि एवं अन्य शिक्षकगण भी मौजूद रहें।

नाजायज चाकू के साथ एक गिरफ्तार

मऊ। थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान करहा बाजार से अजय यादव पुत्र भूल्लन यादव निवासी अमरहट थाना सरायलखंसी जनपद मऊ के कब्जे से एक नाजायज चाकू बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 595/21 धारा 4/25 आयुद्ध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

युवक ने बच्ची के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोपागंज, मऊ। स्थानीयथाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार देर शाम एक बालिका से दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन पुलिस ने जांच करने के बाद मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार जांच पड़ताल करने के साथ ही आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोप है कि पड़ोसी गांव निवासी युवक ने गन्ने के खेत में पांच साल की बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया। पूराघाट कोपागंज थाना क्षेत्र के पश्चिमी तरफ स्थित एक गांव में शुक्रवार की देर शाम पड़ोसी गांव निवासी 22 वर्षीय युवक ने पांच वर्षीय बालिका के साथ टाफी दिलाने के नाम पर गन्ने के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुटी है। बालिका अपने भाई के साथ बकरी चराने गई थी। तभी वहां पड़ोस के गांव का युवक भी पहुंच गया। अंधेरा होने पर पर उसने बच्ची का हाथ पकड़ते हुए खेत के अंदर लेकर चला गया।

बीजेपी एमएलसी ए. के. शर्मा को देखने के लिए सड़कों पर युवाओं व छतों पर आमजन का हुजूम उमड़ा

प्रखर डेस्क। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य ए. के. शर्मा इन दिनों ब्रज क्षेत्र के प्रवास पर हैं।अलीगढ़ में आगमन के साथ ही ए. के. शर्मा के साथ सैकडों गाड़ियों का काफिला एवं दर्जनों स्थानों पर उनका भव्य स्वागत उनकी लोकप्रियता को बयां कर रहा था। ए. के. शर्मा को देखने के लिए सड़कों पर युवाओं का एवं घरों की छतों पर आमजन का हुजूम उमड़ पड़ा था।ब्रज क्षेत्र के 6 दिवसीय प्रवास के दौरान तीसरे दिन अलीगढ़ में जे.पी.जी. स्मारक इण्टर कॉलेज, केहरीमल गौतम डिग्री कॉलेज, नगला सरुआ, चंडौस में आयोजित जनसंवाद में सम्मिलित हुए एवं उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं एवं नेताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक परिचर्चा की। जनसंवाद कार्यक्रम में बोलते हुए ए. के. शर्मा ने कहा कि अलीगढ़ का ऐतिहासिक महत्व रहा है। यहां के ताले समूचे विश्व में अपनी क्वालिटी के लिए जाने जाते हैं, बस हम सबको मिलकर अलीगढ़ की इस पहचान को वैश्विक बाजार में व्यापक स्थान दिलाने की जरूरत है। अलीगढ़ में विश्वस्तरीय ताले बनते हैं जो यहां के लोगों को रोजगार देने के साथ-साथ अलीगढ़ समेत समूचे राष्ट्र का मान सम्मान बढ़ाते हैं। मैं उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में अतुलनीय नेता रहे स्व० कल्याण सिंह जी को उनकी धरती पर नमन करता हूँ। मैं गोपालदास नीरज की सरजमीं से उनको नमन करता हूँ। उत्तर प्रदेश अभी बहुत पीछे है, हम सबको मिलकर उत्तर प्रदेश के लिए बहुत काम करना है। ए. के. शर्मा ने गोपालदास नीरज की पंक्तियों "अबके सावन में शरारत ये मेरे साथ हुई, मेरा घर छोड़कर कूल शहर में बरसात हुई।" को बोलते हुए कहा कि इस पीड़ा को हम सबको समझने की जरूरत है और उत्तर प्रदेश को मिलकर आगे ले जाना है। अलीगढ़ समेत प्रदेश एवं देश का विकास तभी होगा जब घरों की सुरक्षा के लिए ताला बनाने वाले लोग देश की सुरक्षा के उपकरण बनाने लगेंगे। अलीगढ़ के लोगों को धातु की कारीगरी में महारत हासिल है, हमें मिल जुलकर इसे और निखारना है। विदेश से सामग्री लाने के बजाय अलीगढ़ की बनी सामग्री देशवासियों के उपयोग में आ सके इस दिशा में मिलकर काम करने की जरूरत है। अलीगढ़ समेत कई जिले डिफेन्स कॉरिडोर बनने के बाद से लाभान्वित हुए हैं लेकिन अत्यधिक लाभान्वित होने के लिए टेक्निकल ज्ञान की बहुत जरूरत है इसलिए इस दिशा की ओर बढ़ने की जरूरत है। हमारा यूपी जिन्दाबाद के नारे के साथ उन्होंने अपने सम्बोधन का समापन किया।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का गैस सिलेंडर हुआ वितरित

प्रखर चंदवक, जौनपुर।क्षेत्र के हरदासीपुर स्थित श्री महाकाली मन्दिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत शीला गैस एजेंसी की ओर से चालीस महिलाओं को गैस सिलेंडर मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता नित्यानंद दीक्षित द्वारा वितरित किया गया।इस अवसर पर श्री दीक्षित ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं को जो सम्मान दिया गया वह अनुकरणीय है।इस योजना से करोड़ों महिलाएं लाभान्वित हुई है।उनके सेहत पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है।इस अवसर पर विनोद सिंह, शिवमंगल सिंह, अरुण सिंह, शैलेंद्र चौबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

घर में घुसे चोरों ने नकदी व गहने चुराए

प्रखर चंदवक, जौनपुर।क्षेत्र के मढ़ी गांव में पीछे से छत के सहारे कमरे में घुसे चोरों ने नकदी व गहने चुरा लिए।भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। मढ़ी गांव निवासी कैलाश सिंह के यहां पीछे से छत के सहारे घर में घुसे चोरों ने बीस हजार नकद व दो अटैची में रखे कपड़े व गहने चुरा ले गए।भुक्तभोगी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी।

महानगर कार्यालय नीचीबाग पर युवा मोर्चा दीनदयाल मंडल का युवा शक्ति संवाद

प्रखर रामनगर वाराणसी। महानगर कार्यालय नीचीबाग पर युवा मोर्चा दीनदयाल मंडल का युवा शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ।मुख्य अतिथि :युवा मोर्चा क्षेत्रीय मिडिया प्रभारी,, विपिन तिवारी जी..ने युवाओं में उत्साह वर्धन किया, महानगर महामंत्री ओम तिवारी जी ने कहा अबकी बार 350 पार का योगी जी का सपना साकार करना है। महानगर उपाध्यक्ष अभिजीत भरद्वाज..महानगर मंत्री श्रीपति मिश्रा भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष श्री गोपाल जी गुप्ता काशी क्षेत्रीय मंत्री संदीप केशरी जी दीनदयाल मंडल अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा जी दीनदयाल मंडल महामंत्री किशन सिंह कसेरा जी दीनदयाल मंडल कोषाध्यक्ष मिलन केसरी जी दीनदयाल मंडल मंत्री रामबाबू चौरसिया जी दीनदयाल मंडल मीडिया प्रभारी चंदन गुप्ता जी, मंडल उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता जी एवं पंडित दीनदयाल मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में रास्ते के लिए छोटे भाई ने बड़े भाई को पीट-पीटकर मार डाला, बचाने गए लोग भी जख्मी

प्रखर जौनपुर (संवाददाता मोहम्मद अरशद)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के नेवादा ईश्वरी सिंह गांव में रास्ते के विवाद को लेकर छोटे भाई ने बड़े भाई लालजी यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पत्नी,बेटी,बेटे और बहु को मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। नवादा ईश्वरी सिंह गांव में लालचंद यादव और छोटे भाई रामजीत बीच रास्ते को लेकर काफी पहले से विवाद था। दस दिन पहले भी मामले को लेकर विवाद हुआ था। मामला थाना पहुंच गया था, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। सोमवार की सुबह रास्ते से लालजी परिवार के लोग जा रहे थे तभी रामजीत यादव व उनके परिवार के लोगों ने लाठी-डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे लालजी यादव (55) वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। बचाने के लिए पहुंचे पत्नी प्रमिला, बेटे जितेंद्र, बेटी सोनम व बहू सुनीता को पीटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। जिन्हें ग्रामीण

आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला ले गए। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। मौत की सूचना पर गांव में पहुंची पुलिस फोर्स ने शव को लेकर करंजाकला अस्पताल पहुंची। वहीं पर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों भाइयों में काफी समय से संपत्ति को लेकर विवाद की स्थिति थी। विवाद की वजह से आपस में दोनों पक्षों में कई बार झड़प भी हो चुकी थी। विवाद को देखते हुए लोगों द्वारा बीच बचाव और समझाने बुझाने का भी दौर चलता रहा। बीते दिनों दोबारा रास्ते को लेकर विवाद हुआ तो मामला थाने तक पहुंचा था। पुलिस की हीलाहवाली को देखते हुए दोनों पक्षों में संतुष्टि नहीं थी। वहीं सोमवार की सुबह मामले में एक पक्ष ने आक्रोशित होकर भाई पर हमला बोल दिया। वहीं बचाने के लिए जो भी सामने आया उसको भी पीट दिया गया।

बनारस रेलवे स्टेशन अधीक्षक अरुण कुमार से मिला समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल स्थानीय लोगों के साथ युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय सचिव ई0 विवेक सिंह और शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता के नेतृत्व में बनारस रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक अरुण कुमार से मिला व यात्री सुविधाओं के संदर्भ में चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में ट्रेनों के ठहराव के साथ बनारस स्टेशन से ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई । युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा पवन एक्सप्रेस , पटना सिकंदराबाद , स्वतंत्रता सैनानी एक्सप्रेस व लिच्छवी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग के साथ स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं में वृद्धि की मांग की गई है । यह मांग आगे वरिष्ठ अधिकारियों व मंत्रालय तक क्रमबद्ध तरीके से उठाई जाएंगी ।लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव ई0 विवेक सिंह ने कहा केवल नाम बदलने से जनमानस को राहत नही मिलेगी जब तक सुविधाएं नही बढ़ेंगी तब तक कोई फायदा जनता को नही मिलेगी । शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र होने की वजह से रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं और ट्रेनें बधाई जानी ही चाहिए। स्थानीय नागरिक रवि बिन्द भानु ,नीरज सेठ ,हनुमान यादव , मनीष यादव , विनोद पाल ने बताया हम सबको कोलकाता , पटना , सहित जगहों पर जाने के लिए अन्य स्टेशनों पर जाना पड़ता है जबकि बनारस स्टेशन पर अगर ठहराव व संचालन हुआ तो बहुत सहूलियत हो जाएगी।

दो सूत्री मांगों को लेकर सहकारी कर्मचारी ने किया धरना प्रदर्शन

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रांतीय संगठन के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ जौनपुर के निदेर्शानुसार सोमवार को केराकत ब्लॉक के सहकारी कर्मचारियों ने नरहन स्थित सहकारी समिति पर अपनी 2 सूत्री मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि हम लोगों 2 नवंबर से 15 नवंबर तक अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं अगर हम लोगों की मांगे 15 तक नहीं पूरी होती है तो अनिश्चित काल के लिए काम बंद कर हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल के दौरान हम लोग घान खरीद उर्वरक वितरण बीज वितरण अधिकारियों को पूरी तरह से बद कर दिए हैं। मौके पर अच्छे लाल यादव राजेंद्र यादव बृजेश सिंह सोनल सिंह सपना सिंह रामचंद्र यादव दीनदयाल यादव सहित दर्जनों कर्मचारी उपस्थित रहे।

एलिट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में शुरू हुआ अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कई यूनिट

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। टेंगरा मोड़, रामनगर स्थित एलिट मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त आई.सी.यू., सी.सी.यू., एवम डायलिसिस यूनिट का भव्य उदघाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कौशल राज शर्मा (जिलाधिकारी, वाराणसी), व विशिष्ट अतिथि डॉ राहुल सिंह (मुख्य चिकित्साधिकारी, वाराणसी) ने दीपप्रज्वलन व फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ डी. के. गुप्ता व डॉ बबिता गुप्ता ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम, स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने कहा कि मरीजो के लिए चिकित्सक भगवान के रूप होते हैं, उनकी सेवा व समपर्ण को नकारा नही जा सकता। विशिष्ट अतिथि वाराणसी के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राहुल सिंह ने कहा कि गंगा किनारे स्थित एलिट हॉस्पिटल में पूर्वांचल की जनता को एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पूरा

चिकित्सीय समाधान मिल जाएगा। इस अवसर पर आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए संस्था के प्रबंध निदेशक डॉ डी. के. गुप्ता, डॉ बबिता गुप्ता व मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि हॉस्पिटल में आज कई तरह की सुविधाए न्यूनतम दर पर जिसमें आई. सी.यू., सी.सी.यू., डायलिसिस यूनिट, के साथ ऑर्थो, नेफ्रो, न्यूरो, यूरो, मेडिसिन, सर्जरी, क्रिटिकल केअर, ऑन्कोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, सहित हर प्रकार की समुचित सुविधाएं उपलब्ध है। अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व सैनिकों , स्वतंत्रता सेनानी, दिव्यांगों, महिलाओं , असहायों को 50 प्रतिशत छूट के साथ विशेष लाभ दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन ओम प्रकाश गुप्ता एवम श्रीमती प्रियंका साहू तथा अंत मे धन्यवाद ज्ञापन श्यामधनी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ ओ पी सिंह,डॉ चंदन गुप्ता, डॉ त्रिभुवन गुप्ता, अल्पना पांडये, ओम त्रिपाठी, आराध्या, डॉ मिथिलेश पांडये, डॉ निश्चल गुप्ता, डॉ विकाश त्रिवेदी, डॉ एस एस रायकर , राजकुमार विश्वकर्मा, अंजना त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी एंबुलेंस दो की मौत, दो घायल

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के चित्तविश्राम के पास वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग पर जा रही एक एंबुलेंस अनियंत्रित होकर ट्रक के अंदर पीछे से घुस गई। घटना में एंबुलेंस सवार दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जहां दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अहरौरा थाना क्षेत्र के चितविश्राम गांव के पास रविवार की रात्रि 11:30 बजे एक एंबुलेंस जो कि वाराणसी की तरफ से मरीज लेकर सोनभद्र जा रही थी।

इस दौरान चित्तविश्राम गांव के पास अनियंत्रित होकर एम्बुलेंस ट्रक में घुस गई। इस दर्दनाक हादसे में एंबुलेंस पर सवार मरीज शंकरराव उम्र 40 वर्ष निवासी आंध्र प्रदेश व रिकेश कुमार पुत्र शिव चंद्र सिंह उम्र 41 वर्ष निवासी इंग्लिशपुर, चलपकारी जनपद आरा बिहार, एंबुलेंस चालक शंकर दयाल उम्र 35 वर्ष व प्रीतम कुमार उम्र लगभग 33 वर्ष निवासी सिंगरौली बैढन

मध्य प्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां शंकर राव व रिकेश कुमार को मृत घोषित कर दिया गया, वहीं शंकर दयाल व प्रीतम की हालत को गंभीर देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया। घायल दोनों की हालत भी गंभीर बनी हुई है।

एम्बुलेंस का ब्रेक फेल होने से हुई घटना– अहरौरा थाना क्षेत्र के चित्तविश्राम गांव के पास हुई इस घटना में एंबुलेंस का ब्रेक फेल होना कारण बताया जा रहा है। बताया जाता है कि एम्बुलेंस का ब्रेक पांच सौ मीटर पहले ही फेल हो गया था, जिसकी वजह से एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर ट्रक में घुस गई। बताया जाता है कि एंबुलेंस सेवा मधयप्रदेश से वाराणसी गई हुई थी।जो वापस लौट कर एमपी जा रही थी। इस दौरान एंबुलेंस अदलहाट के पास ब्रेक फेल होने की वजह से खड़ी ट्रक में घुस गई।जिसे ट्रक ने खींचते हुए अहरौरा के चित्त विश्राम के पास लाया और छोड़ कर भाग गया।

भारतीय वन सेवा में विवेक यादव का हुआ चयन, क्षेत्र में हर्ष का माहौल

प्रखर चंदवक जौनपुर। क्षेत्र का एक और होनहार युवक ने जनपद का नाम रोशन किया है। हरधन गांव निवासी विवेक कुमार यादव पुत्र पारस यादव को भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में 72 वीं रैंक प्राप्त हुई है। आपको बता दे कि पारस यादव मुम्बई में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत है! इनके तीन पुत्रो में विवेक यादव शुरू से ही प्रतिभावान विद्यार्थी रहे।इनकी शुरूवाती शिक्षा प्राथमिक गिरजा देवी शिक्षा निकेतन मढ़ी में करने के बाद पूरी शिक्षा मुंबई से रहकर पूरी की। बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक) करने के बाद परीक्षा की तैयारी कर रहे थे कि तभी द्वितीय प्रयास में भारतीय वन सेवा में चयन हो गया। विवेक की इच्छा आइएएस बनने देश की सेवा करने की है जिसके लिए वह दिल्ली में रहकर तैयारी कर रहे हैं। दादा पलटु यादव की दिली तमन्ना थी कि मेरे परिवार का सदस्य भारतीय सर्वोच्च सेवा करने की थी दादा के सपनो को विवेक यादव ने साकार कर उनके मान को बढ़ाया। चयन की सूचना मिलते ही बाबा पलटू

यादव परिवार व गांव के लोग खुशियों से झूम उठे। घर पर मिठाई खिलाकर लोगों ने खुशियों को बांटा।विवेक यादव ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने दादा दादी सहित पूरे परिवार को देते हुए बताये कि आज जो कुछ भी हु इन्ही लोगो के बदौलत हूँ।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल आफ डिजाइन एण्ड वीविंग का शुभारम्भ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सी डी एस आर्ट फाउण्डेशन अहमदाबाद ने बी सी जिन्दल समूह के वित्तीय सहयोग से वाराणसी के काटन मिल में स्कूल आफ डिजाइन एण्ड वीविंग का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सीडी एस आर्ट फाउण्डेशन के संस्थापक श्री आसिफ शेख, बी सी जिन्दल समूह के सीईओओ मनीष, ताज इस्टेट के जी सईदुर्रहमान, इकाया के श्री भरत शाह, वाराणसी वस्त उद्योग संघ के श्री राजन बहल, ओ घनश्याम, बदरूदीन अंसारी, श्री अब्दुल्ला अंसारी, प्रो० अंजन चक्रवर्ती, सुश्री जसमिन्दर कौर एवं अन्य प्रतिष्ठित बनारसी वस्त्र निमार्ता तथा व्यवसायी उपस्थित थे। श्री आसिफ शेख ने बताया कि इस स्कूल का उद्देश्य समय काल के अनुरूप बनारस की इस शानदार हैण्डलूम परम्परा के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित कलाकार तैयार करना। पाठ्यक्रम को इस तरह तैयार किया गया है कि छात्र एवं छात्राओं को डिजाइन, बुनाई एवं रंगाई से संबन्धित पूर्ण रूपेण जानकारी प्राप्त हो सके। ताकि यहाँ प्रशिक्षित छात्र सदियों पुरानी बनारस की बुनाई कला को जीवित रखने में अपना योगदान दे सकें तथा यहाँ के उत्पाद के देश विदेश में बढ़ावा मिल सके। श्री मनीष ने अपने उद्बोधन में कहा कि बनारस की बुनाई कला को संरक्षित रखने में यहाँ के बुनकरों एवं डिजाइनरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसलिए जिन्दल ग्रुप ने इस पाइलट प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए बनारस को चुना। यदि ये प्रयोग सफल रहा तो इस तरह है और भी प्रोजेक्ट देश के अन्य बुनकर बाहुल्य इलाके में किये जाएगें। श्री श्याम सुन्दर जायसवाल जी आशा व्यक्त की कि बनारस की अमूल्य 65 धरोहर को बचाने में ये स्कूल मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन स्कूल के सलाहकार श्री मोहम्मद यासीन ने किया।

बनारस के लाल किसान चंद्रशेखर सिंह को मिलेगा 9 नवंबर को पद्मश्री अवार्ड

प्रखर वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी के लाल किसान चंद्रशेखर सिंह को पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा। इस सम्मान में प्रो.रामयत्न शुक्ल,किसान चंद्रशेखर सिंह और डोम राजा स्वर्गीय जगदीश चौधरी शामिल है। सम्मान की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी। लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण समारोह का आयोजन नहीं किया गया।इसीलिए 9 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में पद्म सम्मान दिया जाएगा। काशी विद्वत परिषद के अध्यक्ष प्रो.रामयत्न शुक्ल को संस्कृत की सेवा के लिए पुरस्कृत किया जा रहा है। आमंत्रण मिलने के बाद प्रो शुक्ल के पुत्र पंडित रामाश्रय शुक्ला एवं भोलानाथ शुक्ल शिष्य शशांक त्रिपाठी सहित विद्वत परिषद के पदाधिकारी 8 नवंबर को दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे वही। किसान चंद्रशेखर सिंह को कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा। चंद्रशेखर सिंह भी अपने पुत्र राष्ट्रीय महासचिव हिंदू युवा संगठन भारत कौशलेंद्र सिंह व हिंदू युवा वाहिनी वाराणसी के जिला उपाध्यक्ष कुंवर शुभम प्रताप सिंह के साथ दिल्ली के लिए प्रस्थान कर दिए हैं।वही डोम राजा स्वर्गीय जगदीश चौधरी को मरणोपरांत पद्म श्री सम्मान दिया जाएगा। उनके पुत्र ओम चौधरी राष्ट्रपति द्वारा 9 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री सम्मान ग्रहण करेंगे। ओम चौधरी ने बताया कि इतनी कम उम्र में इतना बड़ा सम्मान ग्रहण करने का मौका मिल रहा है।दुख इस बात का है कि पिताजी अगर जीवित रहते तो वह इस पुरस्कार स्वयं ग्रहण करते।

कई दिनों से फरार वारंटी को गिरफ्तार कर पुलिस टीम ने भेजा जेल

प्रखर जौनपुर। मुफ्तीगंज सीजीएम कोर्ट नंबर 1 वाराणसी द्वारा निर्गत गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद फरार चल रहे वारंटी प्रदीप कुमार विश्वकर्मा पुत्र चंद्रजीत निवासी हनुवाडीह थाना गौराबादशाहपुर को केराकत कोतवाल लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मुन्नी लाल कनौजिया सिपाही अजय कुमार सिपाही भूपेश कुमार वाद संख्या 9236/2021धारा 138 एन आई एक्ट के तहत कई दिनों से फरार वारंटी को उसके दुकान से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया ।

वस्त्र दान फाउंडेशन द्वारा कम्बल वितरण किया गया

प्रखर वाराणसी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में वस्त्र दान फाउंडेशन नामक संस्था निरन्तर इस कड़ाके ठंड में निकल बस्तियो व सड़क किनारे रह रहे लोगो को कम्बल व गर्म वस्त्र वितरण कर रही है, इसी के भाँति संस्था द्वारा सोमवार को संकट मोचनं कुष्ट आश्रम में लोगो को कम्बल वितरण किया गया। संस्था के संस्थापक सुधांशु सिंह का कहना है की संस्था का अगला टारगेट सड़क किनारे सोये व कैन्ट स्टेशन के जमीन पर सोये लोगो को कम्बल वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम मे उपस्थित रहे सुधीर यादव, सुमित राय, सुनील कुमार पांडेय, सुधांशु सिंह राजपूत, निशांत सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं